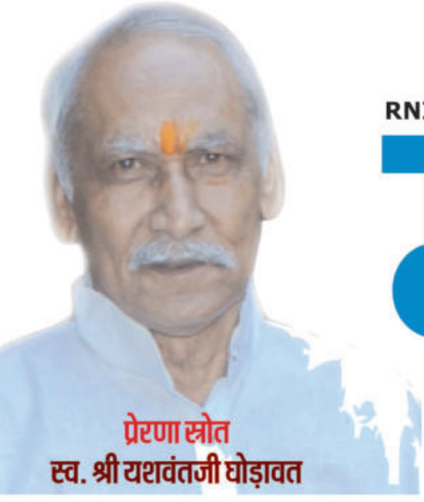

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ... सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-06, अंक-31 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 25 अप्रेल 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

सुविचार

कानून और व्यवस्था, राजनीति के शरीर की दवाएं है और जब शरीर बीमार हो जाए तो दवाईयों को अपना काम करना चाहिए।
डॉ. भीमराव अंबेडकर

अबकी बार... भाषाई मर्यादा तार-तार...

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। भारतीय राजनीति में वह दौर भी देखा है जब विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेई ने प्रधानमंत्री को देवी दुर्गा का अवतार कहा था। यही नहीं अटल जी जब सत्ता में आए तो विपक्षी नेताओं का उतना ही सम्मान प्राप्त करते थे, जितना सत्ता पक्ष का। प्राचीन इतिहास में देखें तो महाभारत में युद्ध के समय दिन भर एक दूसरे के खिलाफ लड़ने वाले सैनिक रात्रि में एक दूसरे के शिविरों में जाकर उनका हाल-चाल पूछते थे और उन्हें चिकित्सा सुविधा भी मुहैया कराते थे। आजादी के बाद भी कुछ समय तक राजनीतिक खुशियां रही जिसमें चुनाव के समय भी प्रतिद्वंदी पर व्यक्तिगत हमले नहीं किए जाते थे। लेकिन वर्तमान में राजनीति का माहौल कुछ अजीब हो गया है। यह मेरी शर्ट, तेरी शर्ट से ज्यादा सफेद है यह दिखाने के लिए विपक्षी की शर्ट पर कीचड़ उछलने तक से परहेज नहीं किया जा रहा है। पुराने जमाने में भी युद्ध के कुछ नियम थे जिसमें कमर के नीचे वार नहीं किया जाता था, लेकिन वर्तमान की राजनीति ने तो सारी मर्यादाएं ताक पर रख दी है।

विधायक के बिगड़े बोल

वर्तमान में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और चुनाव कार्यक्रम घोषित होने हैं। राजनेताओं ने विरोधियों पर व्यक्तिगत हमले करना प्रारंभ कर दिए। रतलाम संसदीय क्षेत्र से भाजपा द्वारा घोषित प्रत्याशी अनीता नागरसिंह चौहान पर थांदला विधायक ने अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करते हुए व्यक्तिगत प्रहार किया, तो विरोध के स्वर उठे मामला भी दर्ज हुआ। इसके बाद विधायक बैकफुट पर आ गए और माफी भी मांगी, लेकिन उसके बाद भी व्यक्तिगत हमले जारी रहे। ताजा मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के सांसद प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया भी अपना आपा खो बैठे और प्रदेश सरकार के मंत्री व भाजपा प्रत्याशी के पति नागरसिंह चौहान के पिताजी के खिलाफ अपशब्द कहे और उन्हें असामाजिक कहते हुए अपराधिक पृष्ठभूमि वाला बतलाया और कहां कि, उन्होंने (कांतिलाल भूरिया) ने उसे पुलिस द्वारा पकड़वाया और बाद में माफी मांगने के बाद उन्हें कांग्रेस में लिया और उनका बेटा (नागर सिंह) आज कांग्रेस के खिलाफ खड़ा हो गया है, जनता उन्हें सबक सिखाएगी। निश्चित रूप से इतने बड़े पदों पर रहे और लंबे समय तक जनप्रतिनिधि रहे व्यक्ति के मुंह से ऐसे शब्द शोभा नहीं देते हैं और यह स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का संकेत नहीं है। भारतीय राजनीति, विरोधियों के सम्मान की परंपरा रही है और हमें इस परंपरा का न केवल सम्मान करना चाहिए वरन् पालन भी करना चाहिए। राजनीति में चुनाव तो आते-जाते रहते हैं, हार-जीत भी चलती रहती है लेकिन व्यक्तिगत संबंध बने रहना चाहिए।

चुनावी रंगत फीकी

वर्तमान में रतलाम संसदीय क्षेत्र में नामांकन का कार्य चल रहा है। मंगलवार को भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी बालू सिंह गामड़ ने अपना नामांकन दाखिल किया, तो बुधवार को बड़े लाव लश्कर के साथ कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने किया। वहीं आज भाजपा प्रत्याशी अनीता नागर सिंह चौहान की एक बड़ी रैली प्रस्तावित है। जिसमें कई मंत्री और वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। नामांकन रैली के माध्यम से प्रत्याशी अपनी ताकत का एहसास विपक्षी को कराता है। लेकिन वर्तमान में भीषण गर्मी के इस माहौल में राजनीतिक तापमान कुछ कमजोर ही दिखाई दे रहा है। वर्तमान में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है और लोग अपने कार्यों तक सीमित है। राजनितिक चर्चा चौराहो पर कुछ लोगो तक ही सीमित है। किसी भी दल द्वारा अभी तक जनसंपर्क या रैली आयोजित नहीं की गई है। केवल स्थानीय कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए बैठकों का दौर व कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। बड़े नेता, दूसरे व तीसरे चरण वाले चुनाव क्षेत्र में व्यस्त है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार नाम वापसी की प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही यहां चुनावी माहौल उबाल मारेगा। भाजपा की कोशिश है कि, इस चुनाव को मोदी विरुद्ध कांग्रेस बनाया जाए। इसलिए भाजपा प्रत्याशी प्रत्येक कार्यकर्ता सम्मेलन में एक ही मुद्दा उठा रही है कि, यह चुनाव मेरा नहीं मोदी जी का चुनाव है और विकसित भारत के लिए मोदी जी को जीताना जरूरी है। वहीं कांग्रेस के कांतिलाल भूरिया ने भावनात्मक मुद्दा उठा दिया है, अपने लंबे राजनीतिक संबंधो, अनुभवो तथा कार्यों को लेकर वह जनता से अपने अंतिम चुनाव के लिए वोट मांग रहे हैं। अपना अंतिम चुनाव बतला कर वह भावनात्मक रूप से लोगों की सहानुभूति प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

वहीं दो लाख वोटो को जेब में रखकर चलने का दावा करने वाले भारत आदिवासी पार्टी के बालू सिंह गामड़ इस चुनाव में तीसरी शक्ति के उदय का दावा कर रहे हैं। अपने नामांकन के दौरान वह अपनी जीत का दावा करते नजर आए। मुख्य रूप से इन्हीं तीन पार्टियों के बीच यह चुनाव होना है। अन्य लोग केवल बैलट यूनिट में नाम और निशान तक ही सीमित रह सकते हैं। क्योंकि इतने बड़े क्षेत्र में इतने कम समय में 20 लाख मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाना इतना आसान नहीं है। बहरहाल मई का प्रथम पखवाड़ा गर्मी और चुनावी गर्मी दोनों ही हिसाब से प्रचंड रहने की संभावना है।?

सुबह वोट डालने पर मुफ्त मिलेगी जलेबी-पोहा और आईसक्रीम, शर्तें लागू

इंदौर। इस बार के लोकसभा चुनावों में वोटिंग परसेंटेज बढ़ाने के लिए विभिन्न शहरों में स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की पलहकदमी की जा रही है। इंदौर में भी इसमें पीछे नहीं है। इंदौर में मतदात के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए वाणिज्यिक प्रतिष्ठान आगे आए हैं। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 13 मई को होने वाले मतदान को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों ने 'लजीज' पेशकश की है। इंदौर के अलग-अलग वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों ने तय किया है कि वे मतदान के शुरुआती घंटों यानी सुबह के वक्त वोट डालने वाले लोगों को पोहा, जलेबी, आईसक्रीम एवं अन्य खाद्य पदार्थ मुफ्त में परोसेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि, इन वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों ने जिलाधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित बैठक में यह फैसला किया। बैठक के बाद सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि हम इंदौर लोकसभा क्षेत्र को मतदान के मामले में देश भर में अव्वल बनाना चाहते हैं। इसके लिए वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की भी मदद ली जा रही है।

शहर की मशहूर चाट-चौपाटी '56 दुकान' के व्यापारी संघ के अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने बताया कि, सुबह सात बजे से नौ बजे के बीच मतदान करने वाले लोगों को इस चाट-चौपाटी पर मुफ्त पोहा-जलेबी परोसी जाएगी। इस अवधि में वोट डालने वाले वरिष्ठ नागरिकों और अपने जीवन में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को हमारी चाट-चौपाटी पर पोहा-जलेबी के साथ आइसक्रीम भी निःशुल्क परोसी जाएगी। इसके लिए उन्हें अपनी उंगली पर अमिट स्याही का निशान दुकानदारों को दिखाना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि, शहर के कुछ अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों ने सुबह के घंटों में मतदान करने वाले लोगों को नूडल्स और मंचूरियन जैसे व्यंजन मुफ्त में परोसने की पेशकश की है। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 2019 के पिछ्ले लोकसभा चुनाव के दौरान 69 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। इस लोकसभा क्षेत्र में 25.13 लाख वोटर हैं।

अरे ! यह तो घोटाला है, एपीएमसी की जमीन पर 5 स्टार होटल– मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने पिछ्ले दिनों गुजरात हाई कोर्ट के एक फैसले को बरकरार रखते हुए सूरत की कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) को कड़ी फटकार लगाई और कृषि मंडी की जमीन में कथित हेरा-फेरी कर वहां पांच सितारा होटल और मॉल बनाने पर आपत्ति जताई। शीर्ष अदालत ने कहा कि भू-नीलामी किए बिना किसी होटल समूह को एपीएमसी की जमीन देना गलत है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। हाई कोर्ट ने कृषि उपज बाजार समिति सूरत को 5 सितारा होटल के निर्माण के लिए कथित हेराफेरी वाली जमीन की नीलामी करने का आदेश दिया था।

जस्टिस चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने सूरत एपीएमसी की अपील को खारिज करते हुए कहा कि आवंटित भूमि का उपयोग करने के लिए ऐसी नीलामी का निर्देश देने का हाई कोर्ट का फैसला एकदम सही है। इतनी ही नहीं सीजेआई चंद्रचूड़ ने मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, ÷भगवान का शुक्र है ! मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप किया। यह तो सरासर एक घोटाला है।÷ सूरत की कृषि उपज बाजार समिति हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी।

इससे पहले सूरत कृषि उपज बाजार समिति की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने आरोप लगाया कि, गुजरात हाई कोर्ट ने एपीएमसी को अपनी ही जमीन और संपत्तियों से वंचित कर दिया है। इस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, कृषि उपज बाजार समिति कृषि उत्पादों के लिए बाजार यार्ड के निर्माण के लिए ली गई जमीन पर पांच सितारा होटल और मॉल का निर्माण कैसे कर सकती है?

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में अधिकारियों को एपीएमसी की जमीन की सार्वजनिक नीलामी करने और उस राशि को राज्य के एपीएमसी फंड में जमा करने का निर्देश दिया था। हालाँकि, पीठ ने होटल शिल्पिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को होटल परियोजना में निवेश किए गए पैसे की वापसी के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दे दी।

इस मामले में हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सूरत की कृषि उपज बाजार समिति के पदाधिकारियों द्वारा सार्वजनिक धन का कथित दुरुपयोग किया जा रहा है और कृषि मंडी के लिए आवंटित जमीन पर बिना किसी निविदा के पांच सितारा होटल और मॉल बनाया जा रहा है। याचिका में कहा गया था कि, एपीएमसी ने गलत तरीके से मार्केट कमेटी फंड का 98 करोड़ रुपए का इस्तेमाल किया है।

ऐसे बयान से शत्रुता बढ़ेगी, पीएम मोदी की टिप्पणी पर हमलावर हुए पवार

नई दिल्ली।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार ने कथित तौर पर मुसलमानों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की है। पवार ने जोर देकर कहा कि, मोदी को खुद पर शर्म आनी चाहिए, क्योंकि वह देश के प्रधानमंत्री हैं। उनके द्वारा एक विशेष समुदाय के बारे में ऐसी टिप्पणी करना अस्वीकार्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोदी के बयान से देश के भीतर शत्रुता पैदा होगी। मंगलवार शाम को रायगढ़ में शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अनंत गीते के लिए एक अभियान रैली के दौरान पवार ने ये टिप्पणी की। गीते निवर्तमान सांसद और राकांपा उम्मीदवार सुनील तटकरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। पिछ्ले साल जुलाई में राकांपा विभाजन के दौरान गीते उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पार्टी से पाला बदल लिया था।

83 वर्षीय नेता शरद पवार ने कहा, सोमवार को दिया गया उनका बयान शर्मनाक है क्योंकि वह देश के प्रधानमंत्री हैं, जिनसे सभी का नेतृत्व करने और सभी के हित सुनिश्चित करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन वह एक समुदाय के बारे में इतनी बुरी बात कर रहे हैं। पावर ने प्रधानमंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, (मुस्लिम समुदाय की) महिलाओं और बच्चों का जिक्र करना और यह पूछना कि क्या वे देश की संपत्ति उन्हें सौंपना चाहते हैं, एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जिसे कोई अन्य नेता देश में पहले नहीं लाया।

पवार सोमवार को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक चुनावी रैली में की गई प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे। जहां पीएम मोदी ने दावा किया था कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार 'मुसलमानों' का है। उन्होंने सत्ता में आने पर कांग्रेस द्वारा देश की संपत्ति को 'घुसपैठियों और अधिक बच्चों वाले परिवारों के बीच' वितरित करने की संभावना के प्रति भी आगाह किया।

ऐसी बातों से नफरत बढ़ेगी- पवार

प्रधानमंत्री की आलोचना वाले बयानों के आलोक में पवार ने चिंता व्यक्त की कि प्रधानमंत्री की ऐसी टिप्पणियों से देश में नफरत बढ़ेगी और सरकार की जिम्मेदारी सभी जातियों और समुदायों के बीच विश्वास बहाल करना है। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा, उनका (पीएम मोदी) व्यवहार देश के सर्वोत्तम हित में नहीं है। हमारे पास बदलाव लाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। वह इस तरह से बात करते हैं जिससे एक समुदाय के खिलाफ दुश्मनी पैदा होती है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश सही मायनों में तभी प्रगति करेगा जब वह एकजुट रहेगा।

घबरा गए हैं मोदी: जाति जनगणना मेरी जिंदगी का मिशन- राहुल गांधी

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि, जाति जनगणना उनकी जिंदगी का मिशन है। उन्होंने कहा कि, अगर कांग्रेस पार्टी केंद्र की सत्ता में आई तो सबसे पहला काम जाति जनगणना करवाने का किया जाएगा। उन्होंने बुधवार को नई दिल्ली में 'समृद्ध भारत' नामक संगठन की ओर से आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित करते हुए कहा कि देश की 90 प्रतिशत आबादी के लिए न्याय, मेरी जिंदगी का मिशन बन गया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर भी पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस का क्रांतिकारी घोषणापत्र पढ़ने के बाद मोदी घबरा गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने व्यापारियों को 16 लाख करोड़ रुपये नितरित किए हैं। अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो उस पैसे को फिर से जनता के बीच बांटेंगे।

गांधी ने कहा, जाति जनगणना मेरे लिए राजनीति नहीं है, यह मेरे जीवन का मिशन है। दुनिया की कोई भी ताकत जाति जनगणना को नहीं रोक सकती। जब कांग्रेस सत्ता में आएगी तो जनगणना पहला काम होगा जो हम करेंगे। यह मेरी गारंटी है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर प्रहार करते हुए कहा, मोदी ने देश से 10 साल पहले कहा कि वह ओबीसी हैं। जैसे ही मैंने जाति आधारित जनगणना और एक एक्सरे की बात की तो नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि जाति ही नहीं होती है। अगर जाति नहीं है तो आप ओबीसी कैसे हैं...? आपको उसी समय कहना चाहिए था कि मेरी कोई जाति नहीं है।

गांधी ने यह भी कहा कि, कांग्रेस के घोषणापत्र का लक्ष्य भाजपा द्वारा 22-25 बड़े व्यापारियों को ऋण माफी के रूप में दिए गए 16 लाख करोड़ रुपये के एक बड़े हिस्से को फिर से आम लोगों में बांटकर 90 फीसदी भारतीयों को राहत देना है।

संपत्ति के बंटवारे के विवाद पर उन्होंने कहा, मैंने अभी तक यह नहीं कहा है कि हम संपत्ति के बंटवारे पर कार्रवाई करेंगे... मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि इस बात की जानकारी ली जाएगी कि कितना अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि, जाति जनगणना सिर्फ एक जाति सर्वेक्षण नहीं है बल्कि इसमें आर्थिक और संस्थागत घटक भी शामिल किए जाएंगे, जिससे खुलासा हो सकेगा कि कौन से समुदाय सबसे ज्यादा लाभान्वित हो रहे हैं या हुए हैं और सामाजिक-आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए समाज में क्या किए जाने की आवश्यकता है। गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा दलितों और आदिवासियों के इतिहास को ÷मिटाना÷ चाह रही है लेकिन ऐसा नहीं होने देंगे।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि, उन्हें जाति में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि ÷न्याय÷ में दिलचस्पी है। उन्होंने मोदी से उनकी ओबीसी स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी पिछ्ले दस वर्षों से कह रहे हैं कि वह ओबीसी हैं, लेकिन जब मैंने जाति जनगणना के बारे में बात की, तो मोदी कह रहे हैं कि कोई जाति नहीं होती है, अगर कोई जाति नहीं होती है तो आप ओबीसी कैसे हैं? मोदी ने कहा कि भारत में दो ही जातियां हैं गरीब और अमीर... तो गरीब और अमीर की लिस्ट निकालो। गरीबों की सूची में ओबीसी, दलित, आदिवासी तो मिल जाएंगे लेकिन अमीरों की सूची में नहीं मिलेंगे।

रैली में पीएम ने धार्मिक आरक्षण को लेकर कांग्रेस को घेरा

सागर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार दोपहर मध्य प्रदेश के सागर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने धार्मिक आधार पर आरक्षण देने को लेकर भी कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण पर रोक लगाता है, लेकिन कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में इसका वादा किया। सभा में उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें दलितों, आदिवासियों और ओबीसी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण की रक्षा के लिए 400 पार सीटें चाहिए।

पीएम बोले, देश के विकास के लिए एक स्थिर और मजबूत सरकार कितनी जरूरी होती है, ये मध्य प्रदेश और सागर के लोग बहुत अच्छे से जानते हैं। विकास तब होता है, जब सही नीतियां हों, सही विजन हो। इसलिए देश हो या मध्य प्रदेश, विकास तभी आया जब कांग्रेस गई और भाजपा आई। पिछ्ली बार आपने यहां से भाजपा को रिकॉर्ड वोटों से जिताया था। सागर ने फिर मन बना लिया है- फिर एक बार मोदी सरकार।

कांग्रेस ने धार्मिक आरक्षण देने का वादा किया

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस की एक ऐसी सच्चाई देश के सामने आई है, जिसे सुनकर हर देशवासी सन्न हो गया है। हमारा संविधान साफ-साफ मना करता है कि किसी को भी धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाएगा। खुद बाबा साहेब अंबेडकर भी धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे। लेकिन कांग्रेस ने वर्षों पहले धर्म के आधार पर आरक्षण का खतरनाक संकल्प लिया था। वो अपने इस संकल्प को पूरा करने के लिए भांति भांति के हथकंडे अपना रही है।'

ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को दिया

पीएम मोदी ने कहा, पिछ्ली बार जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार थी तो उसने धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया था। इसके लिए कांग्रेस ने पिछ्ले दरवाजे से गैर कानूनी तरीके से एक चालाकी की। कांग्रेस ने ओबीसी समाज की आंख में धूल धोंकने का गुनाह किया था। इसके लिए उसने मुस्लिमों की सभी जातियों को ओबीसी कोटा में डाल दिया है। ऐसा करके ओबीसी को मिलने वाले बहुत बड़े हक को छीनकर धर्म के आधार पर दे दिया। कांग्रेस यही फॉर्मूला पूरे देश में लागू करना चाहती है। उन्होंने कहा, ओबीसी वर्ग की सबसे बड़ी दुश्मन है कांग्रेस, जिसने ओबीसी से उनका हक छीन लिया है। कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की हत्या की है, संविधान की भावना को ठोकर पहुंचाई है, बाबा साहेब का घोर अपमान किया है।

व्यय प्रेक्षक द्वारा इनफोर्समेन्ट ऐजेन्सियों के नोडल अधिकारी की बैठक

माही की गूंज, झाबुआ।

संसदीय क्षेत्र 24 रतलाम के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक संजीत वी. नायर का झाबुआ आगमन हुआ और उनकी अध्यक्षता से एनफोर्समेन्ट एजेन्सियों के नोडल अधिकारियो की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा व्यय अनुवीक्षण से सम्बन्धित निर्देशो की विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। उनके द्वारा बताया गया कि, व्यय अनुवीक्षण से सम्बन्धित विएसटी, एसएसटी, एफएसटी एमसीएमसी का गठन किया जाता है। व्यय संवेदनशील पॉकेट्स की पहचान की जाती है। बैंको की नकद निकाली का अनुवीक्षण, सन्देह जनक लेन-देन की बैंकों द्वारा सूचना देना, मदिरा का भण्डारण एवं अवैध वितरण को रोकना, धन बल के प्रयोग को रोकने के लिए आयोग द्वारा निर्देशित करना, आयकर कर्मियों के दल की नियुक्ति निगरानी के लिए किये जाना आदि प्रावधान किए जाते है।

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिले मे कैश सीज़र, आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा पर अब तक की गयी कार्यवाही, एसजीएसटी की टीम द्वारा पान मसाला वाहन पर की गयी कार्यवाही और छापेमारी की जानकारी, रेल्वे के द्वारा शराब के अवैध परिवहन पर की गयी कार्यवाही के बारे में अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सीमावर्ती नाको पर की गयी कार्यवाही, एसएसटी टीम, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गयी कार्यवाही, गैर जमानती वारंट अवैध हथियारो पर जानकारी दी गयी। व्यय प्रेक्षक द्वारा कंट्रोल रूम और एमसीएमसी कक्ष का निरीक्षण किया गया। कंट्रोल रूम के निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी अक्षय सिंह मरकाम द्वारा अबतक आई शिकायतों और उनके निवारण के संबंध में जानकारी दी गई। एमसीएमसी कक्ष के निरीक्षण में व्यय प्रेक्षक द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया के तहत आने वाली पेड न्यूज़ संबंधित रिपोर्ट का जायजा लेकर सोशल मीडिया के तहत की जाने वाली गतिविधियों पर नजर रखने वाली टीम से चर्चा की। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यनारायण दर्रो, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मुकेश सोनी, जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती ममता चंगोड, जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया और अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सत्य साईं स्कूल हायर सेकेंडरी में तो संत तेरेसा हाई स्कूल में शत प्रतिशत

माही की गूंज, खवासा।

बुधवार को घोषित हुए हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम जिले सहित खवासा क्षेत्र के लिए भी गत वर्ष के मुकाबले अच्छा रहा। स्थानीय निजी संस्था सत्य साईं कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल का कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। यहां की छात्रा कुमारी सुहानी राजेंद्र पाटीदार ने जिले में तीसरा एवं खवासा क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, संस्था की यह होनहार छात्रा ने 500 में से 455 अंक प्राप्त किया। वहीं देविका देवेंद्र जादव 452 एवं प्रज्ञा दिनेश सोनगरा ने 441 अंक प्राप्त कर प्रथम तीन स्थान प्राप्त किया। वहीं हाई स्कूल परीक्षा में मोनिका प्रकाश कटारा प्रथम, हर्षिता राजेंद्र पाटीदार द्वितीय, एवं हर्षिता महेश पाटीदार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। संस्था का हाई स्कूल परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत व हायर सेकेंडरी का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। खवासा की ही अन्य निजी संस्था संत तेरेसा स्कूल का कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा, यहां यशराज नकुम 89 प्रतिशत अंक के साथ अव्वल रहे।

वही शासकीय संस्था को देखे तो सीएम राइस बालक उ.मा.वि खवासा का हाई स्कूल का 86 प्रतिशत व हायर सेकेंडरी का परीक्षा परिणाम 83.9 प्रतिशत रहा, यहां हाई स्कूल में तोलू पूंजिया डामर 67.8 प्रतिशत के साथ, हायर सेकेंडरी में राकेश महेश निनामा 83.2 प्रतिशत के साथ टॉपर रहे। हाई स्कूल में 11 तथा हायर सेकेंडरी में 29 छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।

कन्या उमावि खवासा का रिजल्ट भी अच्छा रहा, यहां हायर सेकेंडरी का 69.7 प्रतिशत व हाई स्कूल का 73.8 प्रतिशत परिणाम रहा। यहां यशोदा मानसिंह सिंगाड़ 82.2 प्रतिशत के साथ 12वीं तथा संस्कृति कमलेश क्षौत्रीय 84.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्था में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी सफल विद्यार्थियों को प्राचार्य सहित स्टाफ के शिक्षक व साथियों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की वही असफल विद्यार्थियों को सांत्वना देते हुए उन्हें और अधिक मेहनत करने की भी समझाईश भी दी है।

ईवीएम लैब बनाकर दिया जा रहा प्रशिक्षण

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना के निर्देशानुसार मतदान अधिकारियों पीठासीन एवं मतदान अधिकारी पी 1 का प्रशिक्षण 24 अप्रैल 2024 से 26 अप्रैल 2024 तक विधानसभा क्षेत्रवार झाबुआ 193 का शासकीय शहीद चन्द्रशेखर आजाद महाविद्यालय झाबुआ, 194 थांदला का एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अगराल (थांदला) और 195 पेटलावद का एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेटलावद में प्रारम्भ हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना के निर्देशानुसार प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षणार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने हेतु प्रत्येक प्रशिक्षण केन्द्र पर ईवीएम लैब के रूप में मतदान 13 मई के लिए 3 सैद्धांतिक एवं 3 प्रायोगिक कक्ष तैयार किये गये है। प्रायोगिक कक्ष में समस्त मतदान अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ईवीएम के संबंध में जानकारी प्रदाय किये जाने की व्यवस्था की गई। अधिकारी को ईवीएम के प्रयोग को सुलभ बनाया जा सके एवं मतदान केन्द्र पर किसी कठिनाई का सामना ना करना पड़े। बढ़ते हुए तापमान को देखते हुए प्रशिक्षण का समय सुबह 8 बजे से 12 बजे के मध्य किया गया। इसी के साथ प्रत्येक प्रशिक्षण केन्द्र पर मेडिकल टीम के साथ इमरजेंसी की स्थिति में 108 ऐंबुलेंस को भी तैनात किया गया है। मतदान दलों की सुविधा के लिए प्रत्येक प्रशिक्षण केन्द्र पर स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गयी है। प्रशिक्षण के उपरान्त प्रत्येक मतदान कर्मी से इलेक्शन ड्?यूटी सर्टिफिकेट के तहत फॉर्म 12 ए का वितरण किया जाएगा जिससे मतदान दल का कोई भी कर्मी अपने मतदान से वंछित ना होने पाये।

पांच नाम निर्देशन पत्र हुए दाखिल

माही की गूंज, झाबुआ। अभ्यर्थी या उनके प्रस्तावक आज 3 बजे तक लोकसभा चुनाव हेतु नाम निर्देशन पत्र जमा कर सकेंगे। 24 अप्रैल को 5 अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रतलाम संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसर नेहा मीना के समक्ष लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 24 (अ.ज.जा.) रतलाम के लिए आज इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी से कांतिलाल भूरिया, रिपब्लिकन ऑफ इंडिया पार्टी से उदेसिंह, निर्दलीय सुमित्रा मैडा, रामेश्वर सिंगार व सूरज भाभर द्वारा अपना नामांकन प्रस्तुत किया गया। नाम निर्देशन की संवीक्षा 26 अप्रैल 2024 को की जाएगी तथा नाम निर्देशन पत्र वापस लिए जाने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल 2024 निर्धारित की गई है।

10 वी और 12 वी परीक्षा परिणाम में राज्य स्तरीय छठवी रैंक पर झाबुआ

माही की गूंज, झाबुआ।

मा.शिक्षा मण्डल म.प्र.भोपाल द्वारा 24 अप्रैल को घोषित कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों की समीक्षा में जिले का परीक्षा परिणाम विगत वर्ष की तुलना में अच्छा आया। जिले का 2023-24 में कक्षा 10 वी का परिणाम 69.56 प्रतिशत और कक्षा 12 वी का 72.79 प्रतिशत रहा। इस प्रकार झाबुआ जिले का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम में 6.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई साथ ही कक्षा 12वी के परीक्षा परिणाम में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जिले की इस उपलब्धि का श्रेय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ श्रीमती निशा मेहरा द्वारा कलेक्टर जिला झाबुआ एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ को दिया गया। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य झाबुआ द्वारा बताया गया कि, कलेक्टर नेहा मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेंद्रसिंह चौहान के नियमित मार्गदर्शन के कारण जिले ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त किया है।

कलेक्टर नेहा मीना और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री चौहान एवं सहायक आयुक्त द्वारा जिले की संस्थाओं एवं उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को इस उपलब्धि हेतु बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान की गई।

पवन पुत्र अंजनी के लाला महावीर हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया

चोला चढ़ाया पूजा अर्चना आरती के बाद विशाल भंडारा

माही की गूंज, आम्बुआ।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के अनन्य भक्त पवन पुत्र मां अंजनी के लाला वीर शिरोमणि संकट मोचन अजय अमर श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव आम्बुआ में भी धूमधाम से मनाया गया। पूजा आरती चोला तथा हनुमान चालीसा सुंदरकांड पाठ आदि के साथ-साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

गूंज संवाददाता के अनुसार आम्बुआ श्री राम मंदिर के समीप हथनी नदी तट पर विराजमान हनुमान जी के मंदिर में पवन पुत्र को चोला चढ़ाया तथा पुजारी शंकर लाल पारीख द्वारा आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। मंडी चौराहे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 56 के किनारे स्थापित संकट मोचन दरबार में पुजारी चंद्रेश भारती द्वारा हनुमान जी को आकर्षक चोला चढ़ाया गया। सुबह महा आरती पश्चात प्रसाद वितरण किया गया तथा संध्या काल में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की।

इसी क्रम में ग्राम भोरदू के प्राचीन हनुमान मंदिर ,ग्राम कोबू में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर, समीप ग्राम बोरझाड़ तथा अन्य स्थानों पर विराजित संकट मोचन हनुमान जी की मूर्तियों का आकर्षक श्रृंगार कर पूजा अर्चना आरती की जाने के समाचार मिले हैं। हनुमान जी की जन्म जयंती धूमधाम से मनाई गई।

ब्लॉक में बालिका ने कक्षा 8वीं में हांसिल की तीसरी रेंक

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

मध्यप्रदेश सहित अलीराजपुर जिले का 8 कक्षा का परीक्षा परिणाम मंगलवार को घोषित हो गया। जिसमें चन्द्रशेखर आजाद नगर भाबरा की अंग्रेजी मीडियम प्रायवेट स्कूल ग्लोबल की छात्रा सानिया मजहर खान ने स्कूल में द्वितीय व ब्लाक में तीसरा स्थान हासिल करते हुए 91.83 प्रतिशत अंक हासिल प्राप्त किए।

कुमारी सानिया खान के स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ग्लोबल स्कूल डायरेक्टर दिपक भूरिया स्कूल प्राचार्य व स्टाफ ने सानिया को बधाई देकर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इधर सानिया के पिता मजहर खान व माता तमन्ना ने सानिया के कक्षा 8 वी में 600 अंक में से 551 अंक हासिल कर स्कूल में प्रथम स्थान आने पर बधाई देकर परिजनों का मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

आज से होगा आईपीएल की तर्ज पर बीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट

माही की गूंज, बामनिया।

BPL 3 2024

बामनिया में क्रिकेट प्रेमियों व खिलाड़ियों द्वारा टूर्नामेंट को लेकर कई दिनों से तैयारी की जा रही थी। आईपीएल की तर्ज पर होने वाले बीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज़ टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट स्पीड 11 क्रिकेट क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 25 अप्रैल से स्थानीय शासकीय बालक विद्यालय खेल मैदान पर होगा। क्रिकेट टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही है। जिसमें पेटलावद, बामनिया, रायपुरिया, करवड़, घुघरी, सारंगी आदि जगह के खिलाड़ी सहभागिता करेंगे जो की आठ अलग-अलग टीमों में शामिल होंगे। उक्त आयोजन में प्रथम पुरस्कार 51 हजार स्व. रामसिंह जी मखोड़ की स्मृति में संजय मखोड़ के द्वारा, द्वितीय पुरस्कार 41 हजार बंटी भैया द्वारा, तृतीय पुरस्कार 31 हजार नीलोफर बिल्डिंग मटेरियल के इरफान शैख़ की ओर से, चतुर्थ पुरस्कार 21 हजार कोदरसिंह जी मुणिया की ओर से रखा गया है।

मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों सहित समस्त ट्रॉफिया माही की गूंज परिवार द्वारा प्रदान की जाएगी।

इस टूर्नामेंट में लाइट की संपूर्ण सुविधा अणुश्री ऑटोमोबाइल्स बामनिया की तरफ से रखी गई है।

ये रहेगी आठ टीमें:- ब्लैक पेंथर, भूमा 11, आजाद क्लब, माँ उमिया, थाला एक्सप्रेस, आशु 11, हैरी 11, पृथ्वी ब्लास्टर।

नवपद ओलिजी का समापन, तपस्वी उत्साह से कर रहे उपवास

माही की गूंज, थांदला।

भीषण गर्मी में भी थांदला में 100 से ज्यादा तप आराधक उत्साह से तप आराधना करके अपने विपुल कर्मों की निर्जरा कर रहे है। थांदला नगर में पहली बार जहाँ 73 तपस्वी एक साथ वर्षीतप की आराधना कर रहे है। वही इस बार जिन शासन गौरव जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. ÷अणु÷ के अंतेवासी शिष्य बुद्धपुत्र आगम विशारद प्रवर्तक पूज्य श्री जिनेंद्रमुनिजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती साध्वी पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. आदि ठाणा - 4 के सानिध्य में 42 तपस्वियों ने वरण, उड़द, आयम्बिल, निवि आदि द्वारा नवपद ओलिजी की आराधना की। जानकारी देते हुए संघ सचिव प्रदीप गादिया ने बताया कि, वीगत 9 दिनों से आराधक सम्पूर्ण जमीकंद, हरी व रात्रि भोजन त्यागते हुए दूध, दही, घी, तेल, मिठाई आदि विगय का सम्पूर्ण त्याग करते हुए केवल बफा हुआ भोजन ही ग्रहण कर क्रमशः पंच परमेष्ठी नवकार व ज्ञान-दर्शन-चारित्र-तप की आराधना कर रहे थे। नवपद ओलिजी आराधना के अंतिम दिन पक्खी पर्व होने से अनेक आराधकों ने पक्खी पर्व की आराधना करते हुए उपवास आदि विविध तप किये।

मंगलसुत्र और केंचुआ का ध्यान योग...

केंचुआ हो या चौकीदार यदि अपना काम मुस्तैदी से न करे तो देश का अहित होता है। देश का ही नहीं देश की राजनीति का, सामाजिक तानेबाने का भी अहित होता है। लेकिन होता है तो होता रहे। केंचुआ अपनी ध्यानमुद्रा का त्याग नहीं कर सकता। उसके लिए मौन रहना ही देश हित है भले ही लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का चीर-हरण कोई भी कर ले जाय। अबकी चीरहरण का आरोप विश्वगुरु और हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी के ऊपर लगा है। इसके लिए उन्होंने पहली बार सनातनी महिलाओं के मंगलसूत्र का इस्तेमाल किया है।

राकेश अचल

माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने संयम पर लगे अलीगढ़ के ताले को अलीगढ़ की एक चुनावी रैली में खोला और बोला कि - कांग्रेस और आईएनडीआईए गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई पर है, आपकी संपत्ति पर है। कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई, तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी प्रॉपर्टी है, उसकी जांच कराएंगे। इतना ही नहीं, वो आगे कहते हैं कि ये जो संपत्ति है, उसको कब्जे में लेकर सरकार सबको बांट देगी। ये उनका मेनिफेस्टो कह रहा है। अब इनकी नजर कानून बदलकर, हमारी माताओं-बहनों की संपत्ति छीनने पर भी है। इनकी नजर अब उनके मंगलसूत्र पर है।

मुझे लगता है कि, जब प्रधानमंत्री जी ने ये सब कहा है तो उनके भक्तों में तो खलबली मच ही गयी होगी। जो काम बजरंगबली नहीं कर पाए उसे करने का बीड़ा माननीय प्रधानमंत्री जी ने उठाया है। ये प्रधानमंत्री जी ही कर सकते हैं, क्योंकि उनके पास 56 इंच का सीना है जिसे वे पिछले चुनाव में बजरंगबली की तरह जनता को खोलकर दिखा चुके हैं। उनके सीने में सनातन है, हिन्दू राष्ट्र है। एक निशान, एक विधान है, लेकिन मुसलमान नहीं है। कांग्रेस नहीं है भ्रष्ट कांग्रेसी हैं। वे 140 करोड़ की आबादी वाले देश में रहने वाले 20 करोड़ मुसलमानों को अलग रखकर देश चलाना चाहते हैं। उनकी कोशिश है कि उनके अंधभक्तों का मंगलसूत्र खतरे में न पड़े भले ही देश की साझा संस्कृति और विरासत का भट्टा बैठता है तो खूब बैठ जाए। माननीय ने अपनी बात अलीगढ़ के बाद राजस्थान में भी दोहराई। गनीमत है कि वहां उन्होंने महिलाओं से ये नहीं कहा की उनका गोरला भी खतरे में है। मोदी जी हर खतरे से वाकिफ है। उन्होंने भले ही अपने घर के मंगलसूत्र को तवज्जो न दी हो लेकिन वे देश की बहुसंख्यक महिलाओं के मंगलसूत्र का ध्यान रखते हैं। यदि वे तीसरी बार सत्ता में आये तो देश में मंगलसूत्र सुरक्षा क़ानून भी ला सकते हैं, नारी शक्ति वंदना क़ानून की तर्ज पर।

माननीय प्रधानमंत्री जी के भाषण से उनके अन्धभक्तों को खुश होना था, सो वे हुए ही होंगे, किन्तु कांग्रेस और देश के अल्पसंख्यक दुखी जरूर हो गए। कांग्रेस ने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिए भाषण को भद्दा, गैरकानूनी और संविधान की आत्मा के खिलाफ बताते हुए चुनाव आयोग से मोदी जी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। प्रधानमंत्री पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए पार्टी ने कहा है कि, मोदी जी ने अपने पद की गरिमा के प्रतिकूल एक विशेष धार्मिक समुदाय को लक्ष्य कर विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और झूठा बयान दिया है और चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह बड़े ओहदे के प्रभाव से मुक्त होकर कानून सम्मत उचित कार्रवाई करे।

लगता है कि कांग्रेस अभी तक देश के केंद्रीय चुनाव आयोग अर्थात केंचुआ को पहचान नहीं पाई है? भला कोई अपने स्वामी के खिलाफ कार्रवाई करता है? केंचुआ तो केवल और केवल विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई के लिए बना है और ये काम वो बाखूबी कर रहा है। केंचुआ ने बिना कोई भाषण दिए राहुल गांधी नाम के एक नेता को एडवाइजरी जारी की थी। केंचुआ ने एक कांग्रेसी नेता को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से रोका भी। लेकिन केंचुआ से ये अपेक्षा करना उसके साथ ज्यादती है कि वो माननीय प्रधानमंत्री जी के खिलाफ कोई कार्रवाई करे या उन्हें हटके यानि एडवाइजरी जारी करे। केंचुआ को पता है कि मालिक हो या राजा कभी कोई गलती नहीं करता। यदि करता है तो उसे अनदेखा करने में ही राष्ट्रहित है।

आप मानें या न मानें किन्तु मै अपने प्रिय प्रधानमंत्री मोदी जी को इस दशक का सत्यवादी हरिश्चंद्र मानता हूँ। वे कभी झूठ नहीं बोलते। उन्हें नागपुर वालों ने कभी झूठ बोलना सिखाया ही नही। वे देश के अल्पसंख्यकों के पक्के हितेषी हैं। उन्हें जबरन मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों का शत्रु माना जाता है। वे खुद कहते हैं कि तीन तलाक से पीड़ित कितनी ही बेटियों का जीवन तबाह हो गया था। अब मोदी ने तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर उनका जीवन सुरक्षित किया है। आज न सिर्फ भारत का हज कोटा बढ़ा है बल्कि वीजा नियमों को भी आसान बनाया गया है। सरकार ने महिलाओं को बिना महरम हज जाने की अनुमति भी दी है। कांग्रेस और सपा जैसी पार्टियों ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की और मुसलमानों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए कभी कुछ नहीं किया। जब मैं पसमांदा मुसलमानों की मुसीबत की चर्चा करता हूं, तो इनके बाल खड़े हो जाते हैं क्योंकि ऊपर के लोगों ने मलाई खाई और पसमांदा मुसलमानों को कुछ नहीं मिला।

देश के अल्पसंख्यकों को मोदी जी की बात मानना और समझना चाहिए। मोदी जी उनके लिए मोदी भाईजान हैं। और भाईजान से कभी कोई नफरत करता है भला? राहुल तो राहुल भाईजान नहीं बन पाए। अलबत्ता मोदी जी और उनकी पार्टी अल्पसंख्यकों को चुनाव में टिकट देकर परेशां नहीं करना चाहते। मोदी जी को पता है कि अल्पसंख्यकों के पास चुनाव लड़ने के लायक न पैसा है और न वोट बैंक। वे चुनाव लड़कर करेंगे भी क्या? उनके लिए जितना मोदी जी और उनकी पार्टी सोच सकती है उतना तो वे खुद अपने लिए नहीं सोच सकते। वे खामखां मोदी जी से दूर खड़े होना चाहते हैं।

कांग्रेस को मुगालते में नहीं रहना चाहिए। मोदी जी की शिकायत केंचुआ से नहीं करना चाहिए। मोदी जी के खिलाफ शिकायत करना अपना वक्त जाया करने जैसा है। केंचुआ का दफ्तर नक्कारखाना है। वहां तूतियों की आवाज नहीं सुनी जाती। कांग्रेस के पास कोई नक्कारा (नगाड़ा) है नहीं जो बजाकर केंचुए को नींद से ध्यान से बाहर लाया जा सके। बेहतर हो कि कांग्रेस अपना काम करे और मोदी जी को अपना काम करने दे। मोदी जी मोदी जी हैं उन्हें न बदला जा सकता है और न सुधारा जा सकता है। मोदी युगावतार हैं, उन्हें अवतार की तरह ही लेना चाहिए। उनके मुंह से जो भी निकले उसे ब्रम्हवाक्य नहीं बल्कि संविधान का एक अनुच्छेद समझकर उसका सम्मान किया जाना चाहिए। मोदी जी ने यदि देश की सनातन महिलाओं के मंगलसूत्र पर खतरा बताया है तो खतरा होगा। अब महिलाएं या तो अपना मंगलसूत्र बैंक के लाकरों में रख दें या उसे बेचकर कुछ और खरीद लें।

कांग्रेस को पता नहीं है कि, मोदी जी की याददाश्त कितनी बेहतर है। उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह का 18 साल पुराना बयान ही याद नहीं है बल्कि उन्हें तो अपने जन्म के पहले की सारी कहानियां याद हैं। वे कांग्रेस से ज्यादा कांग्रेस के बारे में और महात्मा गाँधी से ज्यादा महात्मा गांधी के बारे में जानते हैं। वे इनसाइक्लोपीडिया हैं सियासत के। उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकती। वे गंगापुत्र हैं। वे बाबा विश्वनाथ के शिष्य हैं। वे भारत का भविष्य हैं, अतीत हैं और वर्तमान भी है। यानि मोदी जैसा न भूतो, न भविष्यति। वे जो कर सकते हैं और कोई नहीं कर सकता। इसलिए उन्हें बोलने दीजिए, जमकर बोलने दीजिए। पता नहीं भगवान इस चुनाव के बाद बोलने का मौक़ा दे भी या नहीं। उनकी बोलती बंद करना इस देश के विपक्ष और देश के मतदाताओं के बूते की बात नहीं है। वे ही सबकी बोलती बंद करने का हुनर जानते हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने दाखिल किया अपना नामांकन पत्र

कांग्रेस की नामांकन रैली में देखने को मिली भीड़

माही की गूंज, झाबुआ।

बुधवार को कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने अपना नामांकन रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र 24 के लिए भरा। इस अवसर पर नामांकन रैली का आयोजन भी कांग्रेस द्वारा किया गया। जिसमें प्रदेश के कई कांग्रेसी नेताओं ने हिस्सा लिया। नामांकन रैली की आयोजित विशाल आमसभा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी, राज्यसभा सांसद विवेक तंखा, पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन, कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी संजय दत्त विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अथितियों का पुष्प हारो से स्वागत कांग्रेस पदाधिकारीओ ने किया। सर्वप्रथम कांग्रेस की दिवंगत नेत्री सुश्री कलावती भूरिया को समस्त अतिथियों ने आज उनकी तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। हालांकि कांग्रेस प्रत्याशी इस नामांकन रैली के पहले ही अपना पर्चा दाखिल कर चुके थे। इसके बाद नामांकन रेली के नाम पर हो रही सभा में पहुंचे। यहां मंच पर कांग्रेसी नेताओं ने लगातार सरकार को निशाना बनाया। कांग्रेस की इस नामांकन रैली में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ ही अन्य प्रदेश स्तरीय नेता शामिल हुए। लोकसभा क्षेत्र के तमाम कांग्रेसी नेताओं ने मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार को झूठ का पुलिंदा बताया। दोपहर 12 बजे से शुरू हुई कांग्रेस की नामांकन रैली शाम 3 बजे बाद तक चलती रही। कांग्रेस की इस नामांकन रैली में काफी संख्या में लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेसी कार्यकर्ता व आमजन की भीड़ देखने को मिली।

नामांकन रैली की आमसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि हमें बीजेपी के बहकावे में नहीं आना है। भाजपा जनता को भ्रमित करने वाली पार्टी है, कहती कुछ है और करती कुछ है। आपके क्षेत्र का नेता कांतिलाल भूरिया देश का आदिवासी नेता 45 साल की राजनीति में उन्हें आज तक कभी कोई दाग नहीं लगा। आपके क्षेत्र में विकास भूरिया की ही देन है। कांग्रेस पार्टी ने जो अपने घोषणा पत्र में पांच न्याय गारंटी दी है, उस गारंटी में किसानों, श्रमिक मजदूर, महिलाओं, युवा, बेरोजगारों का विशेष रूप से ख्याल रखा है। जॉइन इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही उसे पूरा किया जाएगा।

राज्यसभा सांसद विवेक तंखा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार विपक्ष के नेताओं को डरा धमका कर ईडी, सीबीआई का उपयोग कर जेल में डाल रही है। आज दो राज्यों के मुख्यमंत्री जेल में है, आज देश का हाल बेहाल है, देश कर्ज में है, विकास हो नहीं पा रहा है, और लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने का मंसूबाह भाजपा पाल रही है, जो कतई संभव नहीं है। देश में इंडिया गठबंधन का माहौल है। आप सभी को कांग्रेस का साथ देकर कांग्रेस प्रत्याशी को प्रचंड बहुमत से विजय दिलाना है।

इस नामांकन रैली को कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने भी संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार की नाकामी गिनाते हुए इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जीताने की बात कही। उन्होने केंद्र की मोदी सरकार पर कई तरह के कटाक्ष किए और सरकार की विफलताओं को गिनाया। कांतिलाल भूरिया ने 13 मई को होने वाले मतदान में कांग्रेस को भारी बहुमत से जीताने की अपील की। उन्होने कहा कि आप, कांग्रेस को वोट दें आपका भाई कांतिलाल जीतकर दिल्ली तक जाएगा और दिल्ली में आपकी बात रखेगा। भूरिया ने कहा कि यह मेरा आखिरी चुनाव है। 45 साल तक मैं क्षेत्र की सेवाएं की है भारतीय जनता पार्टी ने 20 वर्ष के शासनकाल में क्षेत्र के विकास में कोई रुचि नहीं ली है आप सभी का आशीर्वाद मुझे अपने मत के रूप में मिलेगा मैं आपके बीच हमेशा रहूंगा, क्षेत्र में विकास की गंगा बहाना मेरा कर्तव्य भी रहेगा। आप 13 मई को भाजपा की विदाई सुनिश्चित कर ले।

नामांकन रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया के पुत्र झाबुआ विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने भाजपा व भाजपा प्रत्याशी के पति प्रदेश वन मंत्री नागरसिंह चौहान व उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए। विक्रांत ने फिर एक बार नागरसिंह को लेकर गुंडागर्दी तथा अवैध धंधों में संलिप्तता के आरोप लगाए। इशारों-इशारों में उन्होने कई घटनाओं को बताते हुए कई हत्याओं पर सवाल खड़े करते हुए नागरसिंह से जवाब मांगा। विक्रांत ने आरोप लगाते हुए कहा कि, प्रदेश सरकार ने उस व्यक्ति को वन मंत्री बनाया है जिसने जंगल काट कर बैच दिए। विक्रांत भूरिया ने केंद्र की मोदी सरकार पर वादा खिलाफी और झूठ बोलने के आरोप भी लगाए। इसके अलावा उन्होने कांग्रेस के चुनावी मेनीफेस्टों के कई बिंदूओं पर अपनी बात रखी। कांग्रेस की इस नामांकन रैली को रतलाम-झाबुआ-आलीराजपुर के कई नेताओं सहित पूर्व गृह मंत्री वाला बच्चन, प्रभारी संजय दत्त, विधायक सेना पटेल, वीरसिंह भूरिया, पूर्व विधायक मुकेश पटेल, वाल सिंह मेडा, प्रकाश रांका, निर्मल मेहता, महेश पटेल, हेमचंद डामोर, हर्ष विजय गहलोत, हेमचंद डामोर, महेंद्र कटारिया, आशीष भूरिया आदि ने भी संबोधित किया।

कांग्रेस की नामांकन रैली के साथ ही अब लोकसभा सीट पर चुनावी माहौल गर्माता दिखाई पड़ रहा है। 24 अप्रैल बुधवार को रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और नामांकन रैली के जरिए सीधे तौर पर शक्ति प्रदर्शन भी कर दिया। कांग्रेस की नामांकन रैली में काफी भीड़ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं व आमजन की देखने को मिली। कांतिलाल भूरिया की इस नामांकन रैली से यह तो अंदाजा लगाया ही जा सकता है कि, कांतिलाल भूरिया इतनी आसानी से हार मानने वाले तो नही है। वे पूरे दम-खम से इस लोकसभा चुनाव को लड़ेंगे। नामांकन रैली में जुटी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की भीड़ भी यही बताती नजर आ रही है कि, कांग्रेस रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट पर सीधे तौर पर बीजेपी को कड़ी टक्कर देगी।

आज 25 अप्रैल गुरूवार को भाजपा भी नामांकन रैली का आयोजन करने जा रही है। इस रैली के साथ ही रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनीता नागरसिंह चौहान अपना चौथा नामांकन फार्म जमा करेंगी। भाजपा की यह रैली भी उसी स्थान पर होगी जहां कांग्रेस ने अपनी नामांकन रैली की है। आज देखने वाली बात यह भी होगी कि, जिस तरह की भीड़ कांग्रेस ने अपनी रैली में जुटाई थी, भाजपा उससे अधिक भीड़ जुटाने की कोशिश करेगी। यह काफी हद तक देखने योग्य भी होगा। क्योंकि भाजपा की इस नामांकन रैली में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के आने की संभावनाएं भी जताई जा रही है। चूंकि कांग्रेस ने अपनी नामांकन रैली भाजपा से एक दिन पहले ही कर ली है। तो यह तय है कि, भाजपा अपनी रैली में कांग्रेस से अधिक भीड़ जुटाने की कोशिश करेगी। इससे पहले भाजपा प्रत्याशी अनिता नागरसिंह चौहान ने 18 अप्रैल को अपने दो नामांकन पत्र दाखिल कर दिये थे जिसके बाद 23 अप्रेल को हनुमान जयंती के अवसर पर उन्होने अपना तीसरा नामांकन भरा और अब 25 अप्रैल यानि आज वे नामांकन रैली के साथ ही अपना चौथा और आखिरी नामांकन भरने जा रही है।

कांग्रेस और भाजपा की इन नामांकन रैलियों में उमडने वाली भीड़ क्या वाकई वोट बैंक में तब्दील हो पाएगी, यह समय के गर्त में है। लेकिन एक बात तो साफ है कि इस बार का लोकसभा चुनाव दोनों ही दलों के लिए नाक का सवाल बनता नजर आ रहा है। कहने को कांतिलाल यह अपना आखिरी चुनाव बता रहे है, और अपने पक्ष में मतदान करने की अपील भी कर रहे है। वहीं भाजपा इस बार 400 पार के नारे के साथ माहौल बनाने में जुटी हुई है। दोनों दलों में जमकर आरोप-प्रत्यारोप चल रहे है। इस लोकसभा चुनाव में दोनों ही तरफ से जमकर निजी जुबानी हमले देखने को मिल रहे है। एक तरफ कांग्रेस के कांतिलाल भूरिया का अपना लंबा राजनीतिक अनुभव है, वे पांच बार के विधायक, पांच बार के सांसद, दो बार के केंद्रीय मंत्री, प्रदेश में मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके है। वहीं दूसरी ओर अनिता नागरसिंह चौहान का यह लोकसभा के लिए पहला चुनाव का मौका है। इसके पहले वे आलीराजपुर विधानसभा के बाहर भी कभी देखी नहीं गई। हालांकि भाजपा ने यहां अनिता को नए चेहरे के रूप में मैदान में उतारा है और यह चुनाव भी भाजपा अनिता के दम पर नहीं बल्कि अपने दम पर लड़ रही है। बताने वाले बताते है अनिता नागरसिंह चौहान महज एक चेहरा भर है, चुनाव तो यहां प्रदेश सरकार लड़ रही है। क्योंकि रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट पर आलीराजपुर, झाबुआ और रतलाम से प्रदेश के तीन मंत्री यहां इस लोकसभा सीट पर अपना पूरा दम लगाएंगे। कुल मिलाकर अनिता को चेहरा बनाकर रतलाम-झाबुआ सीट से प्रदेश सरकार खुद चुनावी मैदान में है।

बच्चों की प्रगति के लिये हो रही पाठशाला आयोजित

माही की गूंज, थांदला।

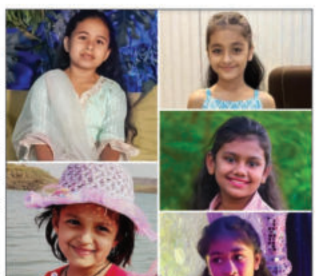

नगर में जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. के आशीर्वाद से प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. की कृपा से पूज्याश्री निखिलशीलाजी म.सा. आदि ठाणा - 4 वीगत 5 वर्षों से स्थिर कल्प में विराजित है। आपकी छत्रछाया में थांदला में प्रति रविवार जैनम ग्रुप के माध्यम से धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमें थांदला में नित्य संचालित हो रही श्री महावीर जैन पाठशाला में आने वालें करीब 60 बच्चों की प्रगति पर ध्यान देते हुए उनका उत्साह वर्धन किया जाता है। इस वर्ष अप्रैल में थांदला के होनहार बच्चों में नित्या अखिलेश श्रीमाल, आराध्या विकास पोरवाल, विरती धर्मेश मोदी, तोषानी (मिष्ठी) पायल सुमित चोपड़ा, मिश्का मयंक श्रीमाल ने जैन धर्म का मूल आगम प्रतिक्रमण (आवश्यक सूत्र) कंठस्थ कर लिया है। वही वृष्टि रुनवाल, गर्विश कवाड़, संयता जैन, मंत्र चौधरी, आध्या पिचा, क्वीना (पायल) चौपड़ा, विहान जैन, अनिका श्रीश्रीमाल व अनिष्का शाहजी ने सामायिक के पाठ कंठस्थ कर लिए है। नन्हें बच्चों के प्रबल पुरुषार्थ में विराजित महासियाजी म.सा. विशेषकर पूज्या श्री दीप्तिजी म.सा. की प्रेरणा व आशीर्वाद के साथ पाठशाला संचालन में अपना अमूल्य योगदान देने वाली श्रीमती साधना राजेन्द्र रुनवाल, अनुपमा मंगलेश श्रीमाल, संध्या ललित भंसाली, विनीता अखिलेश श्रीमाल व कु. प्रिया महेश व्होरा आदि संचालिका बहनों का पूर्ण समर्पण व योगदान रहा है। थांदला श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली, सचिव प्रदीप गादिया, ललित जैन, नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा, सचिव सन्दीप शाहजी, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा घोड़ावत, सचिव गरिमा शाहजी सहित सक्रिय सदस्य हितेश शाहजी, चर्चिल गंग, कपिल पीचा, हेमंत श्रीमाल, पवन नाहर, राकेश श्रीमाल, संजय व्होरा, प्रवीण पालरेचा, बाल मण्डल अध्यक्ष विशेष तलेरा, सचिव विरल शाहजी आदि ने सभी बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ पाठशाला संचालक मंडल को बधाई दी है। ज्ञान सीखने वालें सभी बच्चों को श्री महावीर जैन पाठशाला ने पुरुस्कृत किया है।

हनुमान जन्मोत्सव, एक कुंडीय यज्ञ के साथ हुआ समापन

माही की गूंज, सारंगी।

खेड़ापति हनुमान जी मंदिर पर विराजित हनुमान जी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। संगीत मय अखंड रामायण पाठ के समापन पर देवास से पधारे पंडित सुरेंद्र शर्मा के द्वारा पूजन पाठ कर एक कुंडीय महायज्ञ मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हूआ।

श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर हनुमान भक्तों में उत्साह नजर आया। बड़े ही धूम् धाम से खेड़ापति हनुमान जी का जन्म उत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम श्री खेड़ापति हनुमान जी समिति, श्री गणेश सुंदरकांड मंडल, नगर के भक्तों के सहयोग से संपूर्ण हुआ। इस अवसर पर ग्राम के भक्तों का सराहनीय सहयोग रहा। यज्ञ पूर्णाहुति के बाद महाआरती उतारी गई एवं प्रसादी का वितरण किया गया। पूरा मंदिर पंडाल हनुमानजी के जयकारो के साथ गूंज उठा। चोला श्रृंगार पंडित मूलचंद दास बैरागी द्वारा किया गया।

दिनदहाड़े लुट कि वारदात से जनता में भय व आक्रोश

माही की गूंज, पेटलावद।

दिनदहाड़े पेटलावद-राजगढ़ मार्ग बोलासा घाट पर रतलाम के राकेश मेहता व उनकी पत्नी, शादी समारोह में सम्मिलित होने हेतु मोहन खेड़ा (धार) जा रहे थे। तभी रास्ते में बोलासा घाट पर अज्ञात तीन बदमाशों द्वारा गले पर धारदार हथियार रखकर मारपीट कर सोने कि रकमें लुट कर भाग गए। दोनों पति-पत्नी के पास सोने की चेने तकरीबन 40 ग्राम के आसपास होना बताई गई है। प्रथम दृष्टिया राहगिरो द्वारा सुझाव दिया गया कि, झकनावदा चौकी पर रिपोर्ट दर्ज करवा देना चाहिए। परंतु चौकी पर पहुंचने पर चौकी प्रभारी द्वारा आरक्षक को घटनास्थल पर भिजवाया गया जिसमें ज्ञात हुआ कि उक्त स्थान थाना रायपुरिया में आता है। जिसपर आरक्षक के साथ थाना रायपुरिया भिजवाया गया। जहां पर फरियादी द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई है एवं रायपुरिया पुलिस तत्काल जांच में जुट गई है व नगर मे लगे सीसीटीवी कैमरा फुटेज खंगाल रहे है। इस दौरान पता चला कि रायपुरिया पंचायत द्वारा चौराहे पर लगे केमरे भी गायब हैं। इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस को कड़े रूख अपनाने पड़ेंग। उक्त मार्ग पर यात्रा करने वाले राहगिरो में इस सनसनीखेज घटना को सुनकर काफी भय व्यक्त है। जनप्रतिनिधियों में भी दिनदहाड़े हथियारो के बल पर हुए खतरनाक घटना पर आक्रोश व्याप्त है और शासन से घाट पर चौकी पुनः चालू करने की मांग की।

हवन-पाठ के साथ मनाया हनुमान जन्मोत्सव

माही की गूंज, खवासा।

एक कहावत है कि, खेडे-खेडे हनुमान विराजते हैं और यह कहावत पूर्णतः सही है। हनुमान जी की प्रतिमा प्रत्येक गांव-गांव व गांव की सीमाओं पर विराजित हैं और हनुमान जी के भक्त भी अनंत है जिनकी संख्या बता पाना भी नामुमकिन ही साबित होगा।

इसी कड़ी में मंगलवार को हनुमान जयंती यानी कि जन्मोत्सव बड़े ही उत्साह व धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्रत्येक गांव शहर एवं प्रत्येक राज्य में मनाया गया।

खवासा एवं क्षेत्र में भी धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। ग्राम खवासा में हनुमान जन्मोत्सव की महाआरती सुबह 6 बजे बैंडबाजे के साथ की गई। तत्पश्चात एक कुंडीय यज्ञ जिसके मुख्य यजमान बद्रीलाल बैरागी दंपति रहे और पंडित ओम जी दुबे एवं उनके सहयोगी टीम के मुखारविंद से मंत्रो उपचार के साथ हवन में आहुतियां दी गई एवं पाठ किया गया। दिन में करीब 12 बजे पूर्णाहुति के पश्चात आरती उतारी गई। तत्पश्चात महाप्रसादी यानी कि भंडारा किया गया। जिसमें खवासा सहित आसपास के गांव के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में आए और महाप्रसादी का लाभ लिया। बता दे कि, खवासा में हनुमान जयंती के अवसर पर भंडारे की शुरुआत 2017 से शुरू की गई और उक्त भंडारे में प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ते क्रम में ही देखी गई है। इस वर्ष 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के दौरान भी खवासा में महोत्सव मनाते हुए भंडारे का आयोजन हुआ था। वही रामनवमी के अवसर पर 17 अप्रैल को भी खवासा में राम दरबार, मां अंबे तथा मां उमिया के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया गया था। इस दौरान भी पाटीदार समाज ने भंडारे का आयोजन किया था। इसके चलते इस वर्ष हनुमान जयंती के पुर्व तक तीन माह के दौरान ही दो भंडारे आयोजित होने के चलते गांव में एक मत यह भी था कि दो भंडारे हो चुके हैं के चलते हनुमान जयंती पर भंडारे का आयोजन नहीं करें। लेकिन दूसरा मत यह था कि 2017 से चले आ रहे हनुमान जन्मोत्सव पर इस महाप्रसादी का क्रम नहीं तोड़ा जाए और दुसरे मत के साथ सभी की सहभागिता होकर इस वर्ष भी हनुमान जयंती उत्सव पर भंडारे का आयोजन वृहद रूप से किया गया।

वहीं ग्राम के खेड़ापति हनुमान मंदिर पर भी हवन,पूजा-पाठ एवं आरती के साथ प्रसादी वितरित की गई।

पीले चावल देकर आमंत्रण, वृद्ध मतदाताओं का किया सम्मान

माही की गूंज, रायपुरिया।

ग्राम पंचायत रायपुरिया में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन मंगलवार को किया गया। जिसमें रंगोली प्रदर्शन, मतदाता जागरूकता हेतु मतदाता जागरूकता शपथ, रैली आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के तहत 85 से ऊपर मतदाता नन्दी शंकर 109 वर्ष, गंगाराम कानाजी, गीता बाई, रनछोड़ भारती, भेरूलाल पाटीदार 92 वर्ष, रामा पाटीदार का पुष्प माला से स्वागत किया गया। दिव्यांग मतदाता संतोष भारती, मुकेश भुरिया, मडिया का भी स्वागत किया गया और उक्त सभी जनों ने मतदाता जागरूकता रैली में भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। रायपुरिया संकुल में घर-घर जाकर पीले चावल डालकर 13 मई को मतदान हेतु निमंत्रण दिया गया। नोडल अधिकारी बीआरसी श्रीमती रेखा गिरी, प्रिंसीपल श्रीमती कल्पना वर्मा, जन शिक्षक गणपत निनामा, नाहरसिंह मुणिया, दयाराम मैंडा, नितेश नागर, रविन्द्र नागर, खुशाल सिंह चौहान, रामचंद्र पाटीदार समस्त बीएलओ अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी और जामली, देवली, रायपुरिया के निवासी, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, स्टॉफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बीआरसी रेखा गिरी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जन को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

संपादकीय

वोट बनाम नोट

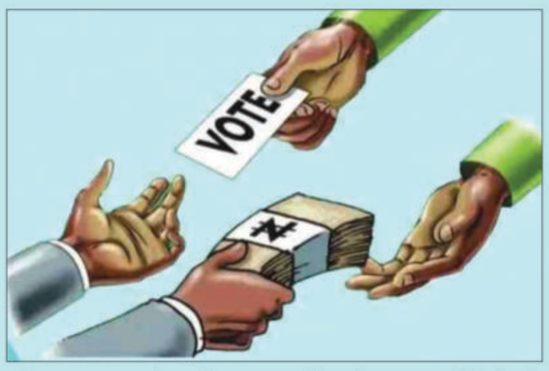

लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग और अन्य एजेंसियों की सक्रियता से बरामद करीब पौने पांच हजार करोड़ रुपये इस बात की ओर संकेत है कि जनतंत्र के सामने धनबल की चुनौती कितनी बड़ी हो चुकी है। विडंबना देखिये कि स्वतंत्र भारत के आम चुनावों के क्रम में यह अब तक की सबसे बड़ी नकदी की बरामदगी है। चुनाव आयोग का दावा है कि हर रोज सौ करोड़ रुपये की बरामदगी होती रही है। निश्चय ही ये हालात भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। आज जनप्रतिनिधि संस्थाओं में करोड़पति माननीयों की लगातार बढ़ती संख्या बताती है कि धनतंत्र का दायरा लोकतंत्र में लगातार किस हद तक बढ़ता जा रहा है। इस संकट का बढ़ना बताता है कि हमारे राजनीतिक दलों की तरफ से इस दिशा में कोई ईमानदार पहल नहीं हुई है। नि:संदेह, उस दिन चुनावों में धनबल की भूमिका गौण हो जाएगी, जिस दिन राजनीतिक दल निहित स्वार्थों को छोड़कर इस दिशा में ईमानदार कोशिश करेंगे। 21वीं सदी में भी यदि भारतीय लोकतंत्र में आम चुनावों के दौरान धनबल, बाहुबल, अफवाह तंत्र की दखल तथा आचार-संहिता के उल्लंघन का सिलसिला जारी है तो इसका मतलब है कि हम अभी तक परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक तैयार नहीं कर पाए। सवाल यहां धनबल का ही नहीं है, छापों के दौरान बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी भी एक बड़ी चिंता का विषय होना चाहिए। चुनाव आयोग की तरफ से बरामदगी के जारी आंकड़े बताते हैं कि इसमें 45 फीसदी नशीले पदार्थों की बरामदगी है। ऐसे में इस साल मतदान की प्रक्रिया से जुड़ रहे 1.8 करोड़ नए मतदाताओं को हमें लोकतंत्र की मौजूदा विसंगतियों से दूर रखना है। यदि हम ऐसा कर पाने में सफल होते हैं, तो तभी हम स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद रख पाएंगे। ऐसे में हमारी प्राथमिकता हो कि हम नोटों की गड्डी की बजाय वोट की पवित्रता को अपनी प्राथमिकता बनाएं। यदि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पारदर्शी हो तो देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव का मार्ग प्रशस्त होता है। सही मायनों में निष्पक्ष चुनाव ही लोकतंत्र की आधारशिला है।

बहरहाल, चुनाव आयोग की हालिया सख्ती और विसंगतियों पर तुरंत कार्रवाई व गाहे-बगाहे शीर्ष अदालत द्वारा चुनाव सुधारों के लिये रचनात्मक पहल ने लोकतंत्र के बेहतर भविष्य के प्रति उम्मीद जगाई है। नि:संदेह चुनाव प्रक्रिया कदाचार से मुक्त होनी ही चाहिए। यह आयोग के साथ ही देश के जागरूक मतदाताओं की जिम्मेदारी भी है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि किसी भी चुनाव में प्रत्याशियों के लिए चुनावी प्रतियोगिता का मंच समतल ही हो। और साथ ही किसी तरह के भेदभाव से मुक्त हो। नि:संदेह, हमारी मौजूदा कानून व्यवस्था में राजनेताओं के भ्रष्टाचार व आर्थिक अनियमितताओं पर रोक लगाने में जो खामियां हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। दरअसल, चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए चुनाव आयोग का सरकार व दल विशेष के प्रभाव से मुक्त होना भी बेहद जरूरी है ताकि वह किसी भी राजनीतिक दल के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई कर सके। इसमें दो राय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार से निपटने के लिए लोकतांत्रिक संस्थानों की स्वतंत्रता, स्वायत्तता, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नागरिकों के जुड़ाव को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, अप्रिय स्थिति से बचने के लिए जहां नियमों व कानूनों को प्रभावी व व्यापक बनाने की जरूरत है, वहीं आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिये हम चुनाव प्रक्रिया की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा पक्षपात के आक्षेपों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वहीं चुनावी प्रक्रिया में गलत तरीकों से पहुंचने वाले पैसे पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक व्यय पर डिजिटल उपकरणों के जरिये सख्त निगाह रखी जाए। हमें अपनी चुनावी व्यवस्था में नियामक ढांचे को मजबूत करके स्वतंत्र व पारदर्शी लोकतंत्र की राह मजबूत करनी चाहिए।

जलवायु संकट से जीवन रक्षा का अधिकार

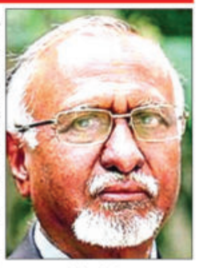
प्रोदिप्तो घोष

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं आजादी की सुरक्षा) के दायरे को विस्तार देते हुए स्वतंत्रता के अधिकार या जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से सुरक्षा की आजादी को मान्यता दी है।

सर्वप्रथम तो यह स्पष्ट हो कि आखिर 'अधिकार' का अर्थ क्या है। 'अधिकार' किसी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया वह दावा है (जैसे कि महिला, एलजीबीटीक्यूआईए इत्यादि) जिसकी अहमियत इसकी कीमतों और फायदों से कहीं ऊपर होती है। उदाहरणार्थ, एक पुलिसकर्मी यह दलील नहीं दे सकता कि किसी विधवा के यहां हुई चोरी को सुलझाने में जो वक्त और पैसा लगेगा यदि वह चोरी हुए माल या धन से अधिक है तो उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने का क्या औचित्य। दूसरा, अधिकार में सामान्यतः फर्ज भी निहित होता हैदृ किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा सरकार कादृ ताकि दावा सही लगे।

विभिन्न गैसों के वैश्विक उत्सर्जन, जिसको ग्रीन हाउस गैस भी कहा जाता है, इनकी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ऐसे प्रभाव का विकासशील मुल्कों के अपने उत्सर्जन से संबंध कम ही है। इनकी सरकारें अपने तौर पर वैश्विक स्तर के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में कुछ अधिक नहीं कर सकतीं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति की जरूरत है, इस दिशा में अपेक्षित चाल 1992 से ही धीमी है, जब संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) नामक प्रस्ताव अपनाया गया था।

यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे 'सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी' नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं।

इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशतः इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है।

अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे?

इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आज़ादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है। स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है। स्वतंत्रता अधिकारों को लागू करने में अधिकांशतः बहुत ज्यादा कीमत नहीं लगती। लेकिन, कल्याण अधिकारों को मूर्त रूप देने में सामान्यतः बहुत बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। किंतु जब संसाधन पहले से कम पड़ते हों, जैसा कि विकासशील मुल्कों में होता है, तब चुनाव करते वक्त विभिन्न अन्य कल्याण अधिकारों को तरजीह देनी पड़ती है।

अनेक अध्ययन दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में बहुत ज्यादा धन की जरूरत पड़ती है। विकसित देशों की ओर से विशाल मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मदद राशि की अनुपस्थिति के मायने हैं कि भारत सरकार को अपने संसाधन जुटाकर इस समस्या का हल निकालना पड़ेगा। अगर सरकार को अन्य विभिन्न कल्याण अधिकार भी सुनिश्चित करने हैं तो सीमित संसाधनों के चलते प्रत्येक मामले में प्राप्ति आंशिक ही होगी। लगातार बदलते अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन नियमों के तहत पर्यावरण अधिकार की संपूर्ण प्राप्ति को जरूरत है विकसित देशों से नवीन एवं अतिरिक्त संसाधन विकासशील मुल्कों को दिए जाने की। लेकिन इस किस्म के संसाधन मिलने की संभावना बहुत क्षीण है।

वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो।

अतएव, क्या जलवायु परिवर्तन से आजादी के अधिकार को मान्यता देने की व्यावहारिकता में काफी उलझने हैं? साफ तौर पर, बाहरी स्रोतों का प्रभाव, यदि कोई है, तो वह बहुत कम होगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का जोखिम कम करने में होने वाले खर्च के ऐतिहासिक स्तर के मद्देनज़र लगता नहीं कि जलवायु परिवर्तन अधिकार को मूर्त रूप देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अंश में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश है।

तथापि, जैसा कि देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है, समस्त संसाधनों का स्तर भी बढ़ेगा। साथ ही, नागरिकों की आय बढ़ने पर, वे जलवायु प्रभाव के परिणामों से बचने को निजी तौर पर अधिक खर्च कर पाएंगे, मसलन, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च, जल-संचयन और अतिशयी आपदाओं के संदर्भ में बीमा करवाना इत्यादि। कुल मिलाकर, जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी वैसे-वैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से नागरिकों का जोखिम कम होता जाएगा। इस असर से मुक्ति पाने में विकास एक चाबी है। कदाचित सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मुख्य आशय जलवायु संबंधी जोखिमों से बचाव करने पर खर्च में कटौती की भावी संभावना को खत्म करना है।

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला उस याचिका के संदर्भ में आया है जिसमें राजस्थान और गुजरात में संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तिलोर) पक्षी के अभयारण्य स्थल से होकर गुजरने वाली अक्षय ऊर्जा की बिजली तारों को जमीन के नीचे डालने का फैसला देने के खिलाफ अपील लगाई गई थी। ऊंचे खम्भों के माध्यम से लगी बिजली आपूर्ति तारों से टकरा कर बड़ी संख्या में पक्षी मारे जाते हैं। बिजली कंपनियों की दलील है कि इसमें बहुत खर्च आएगा और अक्षय ऊर्जा की दरें प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहेंगी।

साफ है, जलवायु सततता का अधिकार और ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन घटाने में भारत की अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेवारी का निर्वहन इस मामले में परस्पर विरोधाभासी है। इस अक्षय ऊर्जा की परियोजना की क्षति से भारत को पेरिस जलवायु संधि में किए वादे को निभाना और मुश्किल हो जाएगा। और यदि इस योजना को जारी रखें तो संकटग्रस्त पक्षी की प्रजाति को बचाना कठिन हो जाएगा। अदालत का सुझाव है कि इन दोनों चिंताओं का व्यावहारिक हल निकालने के लिए विशेषज्ञ अध्ययन करवाया जाए। यदि रास्ता निकलता है तो बहुत बढ़िया वर्ना शायद नीति अनुसंधान संस्थान इस मुश्किल दुविधा का हल निकालने में मददगार हो पाए।

मगर गरीबी है कि हटती ही नहीं और गरीब हटाओं का जुमला

राकेश गांधी

चुनाव आते ही गरीबों के चेहरे कुछ समय के लिए प्रसन्नता से खिल उठते हैं, क्योंकि अंततोगत्वा पांच साल बाद उन्हें याद जरूर कर लिया जाता है। चुनाव के तत्काल बाद ये गरीब राजनीतिक दलों के नेताओं के मानस पटल से हट भी जाते हैं। याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही..? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है?

गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालो-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

हाल ही में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र जारी हुए हैं। जोर-शोर से आगामी पांच साल में गरीबों के भूखे पेट का उपचार करने की बात की जा रही है। इससे ज्यादा तो कुछ होगा भी नहीं। जब साढ़े सात दशक में भी नहीं हो पाया तो अब क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल गरीबी हटाने ही नहीं, हर बार लाखों नौकरियां देने के वादे भी किए जाते रहे हैं। ये बात अलग है कि पांच साल बाद भी हालात जस के तस ही रहते हैं और फिर शुरू हो जाता है जुमलों का दौर। इससे भी दुःखद तो ये है कि आजादी के बाद से लोगों को पानी, बिजली, सड़क, उच्च शिक्षा व बेहतर चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के भी वादे किए जाते रहे हैं।

इसके उलट आजादी के 77 साल बाद भी देश में ऐसे कई शहर व गांव मिल जाएंगे, जहां डामर की सड़क तो छोड़ो, अभी कच्ची सड़क तक नसीब नहीं हुई है। घटिया सीवरेज व्यवस्था के कारण बरसात के दिनों में शहरों में लोग कई-कई दिनों तक पानी से घिरे घरों में कैद रहते हैं। पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता। कई गांवों में यातायात के साधन तक नहीं पहुंच पाए हैं। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर के लोग जब पेयजल संकट के भयानक हालात से जूझ रहे हैं तो दूरदराज के गांवों की क्या बात करें।

हां, पिछले कुछ सालों में सारे देश में हाई-वे जरूर बने हैं। लिंक रोड से लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। पर इसमें भी गरीब तो अभी भी गरीब ही है। उसकी गरीबी का निवारण अभी तक भी नहीं हो पा रहा है। इसमें किसी एक राजनीतिक दल को दोष देने से कुछ होना भी नहीं है। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सालों-साल झूठे वादे करने वालों से बचने की जरूरत है। वैसे भी देश में किसी नागरिक को 'गरीब' कहना किसी गाली से कम नहीं है। गरीब का मतलब केवल निर्धन ही नहीं, बल्कि उन्हें जबरन दरिद्र, कंगाल, दीनहीन, बेचारा, लाचार जैसे शब्दों से नवाजना है। ऐसे में वे जरूरतमंद जरूर हो सकते हैं, पर 'गरीब' तो बिल्कुल नहीं।

हमें ये मान लेना चाहिए कि अब देश में जब तक आखिरी इंसान तक रोजगार, पर्याप्त पेयजल, बिजली, जरूरी चिकित्सा व शिक्षा के संसाधन नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास की बात करना बेमानी होगी। हमें ये याद रखना चाहिए कि विख्यात सर्वोदयी व सामाजिक कार्यकर्ता तथा महात्मा गांधी के अनुयायी बाबा विनोबा जीवनपर्यन्त 'अन्त्योदय' की बात करते थे। 'अन्त्योदय' यानी अंत तक उदय। देश के आखिरी आदमी तक विकास की बात उनके इस ब्रह्मवाक्य में निहित थी।

अन्त्योदय आज देश की अहम जरूरत बन गया है। सरकार जब तक इस 'अन्त्योदय' को नहीं अपनाती, तब तक देश को विकसित राष्ट्र नहीं माना जा सकता। देश में अंतरिक्ष विज्ञान, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, कृषि एवं चिकित्सकीय अनुसंधान के साथ-साथ इस समय प्रत्येक इंसान को आर्थिक, शैक्षिक व शारीरिक रूप से सम्पन्न बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। 'भिखारी मुक्त' नारे के साथ ही सक्षम व सम्पन्न देश के नारे पर ध्यान देने की जरूरत है। तभी भविष्य के चुनावों में गरीबी हटाओ और रोजगार व बुनियादी सुविधाएं जुटाने के झूठे वादों से मुक्ति संभव होगी।

विकसित देश भारत के आर्थिक दर्शन को लागू कर अपनी आर्थिक समस्याओं का हल निकाल सकते है

प्रहलाद सबनानी

विश्व के कुछ विकसित देश, विशेष रूप से अमेरिका और ब्रिटेन, भारत को समय समय पर आर्थिक क्षेत्र में अपना ज्ञान प्रदान करते रहे हैं। परंतु, अब विश्व के आर्थिक धरातल पर परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं और भारत की स्थिति इस संदर्भ में बहुत सुदृढ़ होती जा रही है वहीं विकसित देशों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। अमरीका स्थित निवेश बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थान भारत के कुल कर्ज की स्थिति पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहते रहे हैं कि भारत का कर्ज, सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में, तेजी से बढ़ता जा रहा है। जबकि, इसी मापदंड के आधार पर अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की स्थिति देखी जाय तो भारत की तुलना में इन देशों की स्थिति बहुत अधिक दयनीय स्थिति में पहुंच गई है, परंतु यह देश भारत को आज भी ज्ञान देते नहीं चूकते हैं कि भारत अपनी स्थिति में किस प्रकार सुधार करे।

अमेरिका के कुल कर्ज की स्थिति यह है कि आज अमेरिका का कुल कर्ज 34 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (28 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) का 123 प्रतिशत हो गया है, जो पूरे विश्व में समस्त देशों के बीच सबसे अधिक प्रतिशत है। अमेरिका आज प्रतिवर्ष अपने आय के कुल स्त्रोतों से अधिक ऋण ले रहा है। जब भी अमेरिकी सरकार को खर्च करने हेतु धन की आवश्यकता पड़ती है, वह बाजार में अमेरिकी बांड्ज जारी कर ऋण लेकर अपना काम चलाता है। यह बहुत ही गलत तरीका है परंतु अमेरिकी सरकार को आज भी इस बात की चिंता नहीं है। हालत यहां तक बिगड़ गए हैं कि अमेरिकी कानून द्वारा अमेरिकी सरकार के बाजार के ऋण लेने के लिए निर्धारित की गई अधिकतम सीमा भी पार हो जाती है एवं लगभग प्रत्येक तिमाही के अंतराल पर अमेरिकी संसद द्वारा ऋण लेने की इस अधिकतम सीमा को बढ़ाया जाता है, इसके बाद अमेरिकी सरकार बाजार से ऋण लेती है और अपने खर्चे चलाती है। यदि बाजार से ऋण लेने की सीमा को प्रत्येक तिमाही पश्चात अमेरिकी संसद द्वारा नहीं बढ़ाया जाय तो शायद अमेरिकी सरकार द्वारा अपने सामान्य खर्चों को चलाना ही असम्भव हो जाएगा। अमेरिका में आर्थिक क्षेत्र में हालत इस स्थिति में पहुंच गए हैं कि अमेरिकी सरकार को ऋण पर ब्याज का भुगतान करने के लिए भी बाजार से ऋण लेना पड़ रहा है। अमेरिकी सरकार द्वारा लगभग प्रत्येक 100 दिनों के अंतराल में 1 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बाजार से लिया जा रहा है। ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज की राशि आज अमेरिका के सुरक्षा बजट से भी अधिक हो गई है। आज प्रत्येक वर्ष अमेरिकी सरकार को 87 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि ऋण पर ब्याज के रूप में अदा करनी होती है जबकि अमेरिका का वार्षिक सुरक्षा बजट 82 हजार 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। उक्त परिस्थितियों के बीच अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, जेपी मोर्गन चेज, बैंक आफ अमेरिका, ब्लैक रॉक, आदि वित्तीय संस्थानों के उच्च अधिकारियों ने अमेरिकी सरकार को चेतावनी दी है कि वह इस प्रकार के तरीकों को अपनाने से बाज आए अन्यथा अमेरिकी अर्थव्यवस्था को डूबने से कोई बचा नहीं सकेगा और इसका प्रभाव पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़े बिना नहीं रहेगा। अमेरिका का बढ़ता ऋण पूरे विश्व में ब्याज दरों को प्रभावित कर रहा है, इससे विश्व में कई देशों को ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ रहा है और ऋण की लागत के साथ ही विनिर्माण इकाईयों की उत्पादन लागत भी बढ़ रही है। आज विश्व के कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं, वैश्वीकरण के इस युग में, आपस में जुड़ी हुई हैं एवं एक दूसरे को प्रभावित कर रही हैं।

आज अमेरिका द्वारा अन्य देशों को ज्ञान देने के बजाय अपनी लगातार गर्त में जा रही अर्थव्यवस्था को सम्हालने के प्रयास करने चाहिए। अमेरिकी सरकार को अपने खर्चों पर नियंत्रण करते हुए अपने आय के साधनों को बढ़ाना चाहिए। न कि, भारत एवं अन्य विकासशील देशों को सीख दे कि ये देश अपने देश में किसानों को दी जा रही सब्सिडी/सुविधाओं में कटौती करें और अंतरराष्ट्रीय व्यापार करते समय अमेरिका द्वारा दी गई सलाह को ध्यान में रखें। आज अमेरिकी अर्थव्यवस्था की जो स्थिति है और विश्व के अन्य देश यदि अमेरिकी सलाह के अनुसार अपनी अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू करते हैं तो सम्भव है कि इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी संकट के बादल मंडराने लगें। अमेरिका में पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था अब अंतिम सांसे लेती दिखाई दे रही है। यदि शीघ्र ही अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नहीं सम्हाला गया तो कई अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़े बिना नहीं रहेगा।

भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या को लेकर भी पश्चिमी जगत अपनी चिंता व्यक्त करता रहता है। हाल ही में ब्रिटेन के एक सांसद ने इस सम्बंध में अपनी राय प्रकट करते हुए कहा है कि भारत को गरीबों की संख्या को कम करने हेतु कुछ विशेष उपाय करने चाहिए। इस प्रकार की सलाह देने वाले विदेशी नागरिक यह भूल जाते हैं कि पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है और अब यह लगभग 10 प्रतिशत तक रह गई है। जब ब्रिटेन ने वर्ष 1947 में भारत छोड़ा था तब भारत को अति गरीब देश बनाकर छोड़ा था और भारत की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी। और, आज ब्रिटेन में ही लगभग 18 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। फिर, किस आधार पर ब्रिटेन एवं अन्य विकसित देशों के नागरिक, आर्थिक क्षेत्र में, भारत को सलाह देने लगते हैं। जबकि, भारतीय अर्थव्यवस्था चूंकि सनातन चिंतन पर आधारित आर्थिक नियमों का अनुपालन करते हुए आगे बढ़ रही है इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था आज इन देशों की तुलना में अधिक मजबूत दिखाई दे रही हैं। विकसित देशों को यदि अपनी आर्थिक समस्याओं को हल करना है तो साम्यवाद एवं पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों का परित्याग कर भारतीय आर्थिक दर्शन को अपनाकर अपनी आर्थिक समस्याओं का हल निकालने का प्रयास करना चाहिए, न कि समय समय अन्य देशों को इस सम्बंध में अपना ज्ञान बांटना चाहिए।

धोखाधड़ी का प्रयास करते 2 महिलाओं सहित पांच गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

दो महिलाओं द्वारा तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर शहर में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। ये लोग एक होटल में रुक कर निवेशक से 12 करोड़ रुपये का निवेश कर 16 करोड़ रुपये वापस करने का लालच देकर धोखाधड़ी करने का प्रयास कर रहे थे।

इसी बीच सूचना मिलने पर स्टेशन रोड पुलिस ने महिला व युवती सहित पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में तीन अन्य आरोपित खंडवा, उज्जैन व देवास जिले के रहने वाले हैं। पांचों आरोपितों को न्यायालय ने पूछताछ के लिए 27 अप्रैल तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

आरोपित स्वस्तिक प्रदा पुत्री प्रसन्न कुमार सतपति निवासी जयदेव विहार भुवनेश्वर (उड़ीसा) व सुनीता सिंह पत्नी मोहन सिंह निवासी बिरसा चौक रांची (झारखंड), अमन पालीवाल पुत्र रमेशचंद्र पालीवाल निवासी ग्राम मछोन्दीर्यत जिला खंडवा, कृष्णपाल डोडिया पुत्र दरबार सिंह डोडिया निवासी ग्राम पिपलौदा बागला थाना नागदा जिला उज्जैन व सैफ खां पुत्र शहजाद खां निवासी आनंद नगर जिला देवास 22 अप्रैल को रतलाम आए थे।

सैफ खां इंदौर में डेंटल की लैब का पार्टनर है तथा कृष्णा लैब का मैनेजमेंट देखता है। रतलाम आकर वे महू रोड स्थित समता सागर होटल में पहुंचे तथा आरोपित अमन, सैफ व कृष्णा ने शहर के डेंटिस्ट डॉ. समीर उल्ला शेख निवासी धानमंडी सुभाष मार्ग को वहां बुलाकर स्वस्तिक प्रदा व सुनीता सिंह से मिलवाया।

आरोपितों ने डॉ. समीर उल्ला को बताया कि, सुनीता सिंह व स्वस्तिक प्रदा रामकृपाल कंस्ट्रक्शन कंपनी में सेल्स मैनेजमेंट व अन्य काम देखती हैं। कोई भी निवेशक कंपनी में 12 करोड़ रुपये निवेश करेगा तो उसे उसी दिन कंपनी की तरफ से पांच बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से कुल 16 करोड़ रुपये रिटर्न किए जाएंगे।

इस पर डॉ. समीर उल्ला ने विश्वास कर लिया तथा अपनी परिचित पार्टी को लेकर होटल पहुंचे। समीर उल्ला व उनके साथी के साथ आरोपित बैठकर मीटिंग करने लगे तथा कहने लगे कि 12 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर दे दो तो 16 करोड़ रुपये रिटर्न किए जाएंगे। बातचीत के दौरान डॉ. समीर उल्ला को शंका हुई कि आरोपित धोखाधड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने निवेशक साथी से बात की। इसी बीच निवेशक ने निवेश करने से मना कर दिया तथा बाहर जाकर पुलिस को सूचना दी।

साहब, 20 हजार की लूट हो गई है

माही की गूंज, मंदसौर।

पुलिस की पूछताछ के दौरान आटो चालक जबाव देने में हड़बड़ा रहा था, जिसके कारण भी पुलिस को लूट की कहानी झूठी होने की आशंका है। पुलिस अब उससे सच उगलवाने का प्रयास कर रही है।

सोमवार को मदारपुरा निवासी ऑटो चालक अरशद जनकुपुरा स्थित सागर स्वीट्स से 20 हजार रुपये का दही व मट्ठा आटो से ग्राम नांदवेल छोड़ने के लिए गया था। यहां से वह दही व मट्ठा देने के बाद 20 हजार रुपये लेकर वापस मंदसौर आ रहा था, तभी नांदवेल के पास उसके साथ लूट हुई।

बाद में अरशद भावगढ़ थाने पहुंचा और बोला कि साहब मेरे साथ लूट हुई है। कुछ बदमाश आए और मेरे साथ मारपीट कर 20 हजार नकद, दही व मट्ठे के खाली बर्तन लूटकर भाग गए।

बाद में थाने से एसआई बलवीर यादव ऑटो चालक को अपने साथ लेकर घटनास्थल पर पहुंचे, यहां पता किया तो लूट की ऐसी कोई वारदात सामने नहीं आई। भावगढ़ पुलिस पूरी कहानी को फर्जी मान रही है।

सागर स्वीट्स के मालिक गौरव बाकलीवाल का कहना है कि अरशद सालों से शादीब्याह के सीजन में मेरी दुकान का सामान ले जाता है। सोमवार को वह नांदवेल की कुमावत धर्मशाला में 20 हजार रुपये का दही व मट्ठा देने गया था। पुलिस को मामले में ऑटो चालक पर संदेह है। उससे पूछताछ की जा रही है।

दशनाम गोस्वामी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

माही की गुंज, शुजालपुर।

दशनाम गोस्वामी समाज शुजालपुर जिला शाजापुर द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन शुजालपुर भीलखेड़ी में आयोजित किया गया। जिसमें 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समाजजनों द्वारा नवदंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया शुजालपुर दशनाम गोस्वामी समाज युवा टीम ने सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया। जिसमे 11 जोड़े परिणय सुत्र में बंधे मुख्य अतिथि के रूप आचार्य अमरीश पुरी जी भोपाल से आए उन्होंने शंकराचार्य व्यखान माला का वर्णन किया और समाज में एकता और जागरूकता का संदेश दिया।

11 जोड़ों के साथ 11 आचार्य

शुजालपुर दशनाम गोस्वामी समाज युवा टीम ने सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जिसमे हर जोड़े के साथ एक आचार्य ने विवाह बंधन को विधि विधान के साथ संपन्न करवाया। आचार्य योगेश दुबे ने मंच से विवाह कार्यक्रम का संचालन किया। विवाह सम्मेलन कार्यक्रम में गोस्वामी समाज के आस पास से दो हजार अधिक सामाजिक लोग मौजूद रहे कार्यकम स्थल पर ही भोजन करवाया गया। शुजालपुर संरक्षक पुराण पुरी जी समिति प्रमुख महेंद्र कन्हैया गिरी जीसम्मेलन अध्यक्ष मोहन गिरि, कार्यकरणी अध्यक्ष, संजय गोस्वामी उपाध्यक्ष अमृत गोस्वामी, शीतल गोस्वामी, सचिव नरेंद्र गिरि, सासचिव गोपाल गोस्वामी, जीवन गोस्वामी, कोष अध्यक्ष रवि गोस्वामी, भीम गोस्वामी, सलाहकार हीराबंद गोस्वामी एवं सभी समिति सदस्य मौजूद रहे। मंच संचालन संजय गोस्वामी ने किया व आभार महंत कन्हैया गिरि मोहन गोस्वामी ने माना।

परशुराम सेना अक्षय तृतीया को ही मनाएगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

माही की गुंज, शुजालपुर।

भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में परशुराम सेना ब्राह्मण समाज शुजालपुर द्वारा पूजन-अर्चन, विशाल वाहन रैली एवं ब्रह्मभोज का आयोजन अक्षय तृतीया 10 मई 2024 को ही किया जाएगा। जिसमे वाहन रैली एकत्रीकरण दोपहर 3 बजे से श्री विचित्रवीर हनुमान मंदिर शुजालपुर मण्डी पर होगा। विशाल वाहन रैली राम मंदिर, रोकड़िया सरकार, शुजालपुर मंडी सिटी के प्रमुख मार्गो से होती हुई सिद्धक्षेत्र जटाशंकर महादेव मंदिर पहुँचेगी। तत्पश्चात मंदिर प्रांगण पर महाआरती, प्रतिभा सम्मान और ब्रह्मभोज का विशाल आयोजन होगा।

परशुराम सेना के सदस्यों द्वारा बताया गया कि, परशुराम प्राकट्य दिवस अक्षय तृतीया को ही मनाना चाहिए। ब्राह्मण समाज सदा से ही यह मानता आया है कि विशेष तिथि और मुहूर्त पर विशेष आयोजन हमारी सँस्कृति के अनुरूप है इसके लिए परशुराम सेना ने एक प्रचार वाक्य भी दिया ÷जिस दिन प्रभु का जन्म हुआ उत्सव उसी दिन मनाएगे÷। भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में सम्मलित होने के लिए समाज जनो को घर घर जाकर आमंत्रित किया जा रहा है। परशुराम सेना द्वारा स्वस्तिवाचन मन्त्रो के साथ सनातन धर्म वाहकों पुजारियो, कर्मकांडी पंडितो, ज्योतिषाचार्यो, यज्ञाचार्यो, कथावाचकों सहित आदि अन्य सभी समाज जनों को सपरिवार विशेष सम्मान के साथ प्रत्येक परिवार को आमंत्रित कर रहे हैं। परशुराम सेना के सदस्यों ने बताया की इस बार जन्मोत्सव समारोह में बड़ी धूमधाम से विशाल वाहन रैली निकलेगी जिसमे हमारी सँस्कृति की झलक दिखेगी साथ ही विश्व के लिए भी संदेश निहित होगा।

आयोजन की तैयारियां जोरो से की जा रही हैं। आयोजन को भव्य बनाने के लिए 3000 घर आमंत्रण पत्रक वितरण का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें शुजालपुर सिटी मंडी सहित आस पास के क्षेत्र वासी एवं निकटवर्ती जिले के स्वजाति जन परिवार सहित बड़ी संख्या में सम्मलित होंगे।

51 हजार बार चालीसा का पाठ कर बनाया रिकॉर्ड

माही की गूंज, रतलाम।

चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जयंती पूरे देश में धूमधाम से मनाई जाती है। इस साल भी 23 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर रतलाम में अनोखा आयोजन हुआ। श्रीमंगलनाथ महाकाल रक्तदान मंडल (सेवा वीर परिवार) ने रतलाम में पहली बार 51 हजार सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया।

यह भव्य आयोजन अडवानिया हनुमानजी मंदिर के प्रमुख आनंद गिरी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। हनुमान चालीसा पाठ में करीब 11 हजार लोगों ने भाग लिया। 51 हजार का रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रत्येक सदस्य ने पांच बार हनुमान चालीसा का पाठ किया।

नेहरु स्टेडियम में टेंट लगाकर पंडाल तैयार किया गया था, जहाँ बड़ी संख्या में हनुमान भक्त इस महायज्ञ में शामिल हुए। यह आयोजन महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए खुला था और रतलाम शहर के सभी क्षेत्रों से भक्तों ने इसमें भाग लिया। यह रिकॉर्ड-तोड़ आयोजन हनुमान भक्तों की भक्ति और आस्था का प्रतीक है।

प्याज चोरी करने आए चोरों ने खेत मालिक की कर दी पिटाई

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के तिंगजपुर में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक खेत से प्याज की चोरी करने आए चोरों और किसान के बीच मारपीट हुई, जिसमें किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी लगते ही कुछ ग्रामीण मौका पर पहुंचे और चोरों को पकड़ लिया। जिसके बाद उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया।

दरअसल, इस समय प्याज की फसल काफी महंगी बताई जा रही है। ऐसे में अब चोरों ने गहने-जेवरात को छोड़कर प्याज चोरी करना शुरू कर दिया है। ऐसा ही मामला शाजापुर जिले के तिंगजपुर से सामने आया है। बताया जा रहा है कि तिंगजपुर निवासी संजय प्रजापत की प्याज की फसल चुराने के लिए दो चोर उनके खेत पर पहुंचे थे। संजय प्रजापत ने चोरों को देख लिया और फिर पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन, चोरों ने संजय के ऊपर पत्थर और डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के किसान मौके पर पहुंचे और उन्होंने एक चोर को पकड़ लिया।

ग्रामीणों की सूचना पर कुछ देर बात सलसलाई थाना पुलिस मौका पर पहुंची और चोर को गिरफ्तार कर थाना ले लाई। पूछताछ में आरोपी चोर ने बताया कि वह अपने साथी के साथ प्याज चोरी करने के लिए खेत पर गया था। संजय ने उन्हें देख लिया तो मजबूरी में हमें उस पर हमला करना पड़ा। पुलिस आरोपी से उसके साथी के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

मुक्तिधाम पर महावीर वाणी के शिलालेख किए स्थापित

माही की गूंज, मंदसौर। सकल जैन समाज द्वारा आयोजित पंच दिवसीय तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव के प्रथम दिन गुरुवार को प्रातः मुक्तिधाम मंदसौर पर स्थापित ऊँ स्तंभ पर श्री महावीर वाणी के शिलालेखों का अनावरण किया गया। इस ऊँ स्तंभ का निर्माण मुक्तिधाम के व्यवस्थापक ट्रस्ट अन्नक्षेत्र समिति द्वारा वाटिका में किया गया है। जिसमें सर्वधर्म के शिलालेखों की स्थापना होगी। ऊँ स्तंभ के चार सोपानों पर सकल जैन समाज ने ये शिलालेख स्थापित किये हैं। इन शिलालेखों का अनावरण सकल जैन समाज के निवृत्तमान अध्यक्ष प्रदीप कीमती तथा अन्नक्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल बड़जात्या ने किया।

कक्षा 5वीं और 8वीं में 90 फीसदी विद्यार्थी सफल, लड़कियों ने लहराया परचम

माही की गूंज, रतलाम।

मध्य प्रदेश बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (एमपीबीएसई) द्वारा मंगलवार को कक्षा पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। जिले में दोनों कक्षाओं में 90 फीसद विद्यार्थी सफल रहे।

परीक्षा परिणाम को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों में काफी उत्साह रहा। विद्यार्थी व स्वजन दोपहर में मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर पर परिणाम जानने में जुटे रहे। शुरुआत में साइट ओपन नहीं होने पर बच्चों और उनके अभिभावकों को काफी मशक्कत करना पड़ी। जैसे ही परिणाम सामने आया, वैसे ही सफल विद्यार्थियों ने खुशियां मनाते हुए बड़े-बुजुर्गों, गुरुजनों का आशीर्वाद लिया और मुंह मीठा कराया।

पांचवीं 4 हजार 162 विद्यार्थियों को ए प्लस

जिले में कक्षा पांचवीं का परिणाम 90.14 फीसद रहा। परीक्षा में 24 हजार 939 विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें से 22 हजार 479 उत्तीर्ण हुए। 4 हजार 162 विद्यार्थियों को ए प्लस व ए ग्रेड मिली। यह 16.69 फीसद है।

आठवीं 4 हजार 581 विद्यार्थियों को ए प्लस

इसी तरह कक्षा आठवीं की परीक्षा में 20 हजार 538 विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें से 18 हजार 338 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम 89.29 फीसद रहा। इसमें 4 हजार 581 परीक्षार्थियों को ए प्लस व ए ग्रेड मिली। यह 22.30 प्रतिशत है।

इस मंदिर में बालाजी को चोला चढ़ाने के लिए करना पड़ता है 22 वर्ष का इंतजार

माही की गूंज, मंदसौर।

प्रभु श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी का एक ऐसा अनोखा मंदिर मध्यप्रदेश के मंदसौर में स्थित है। इस तलाई वाले बालाजी का मंदिर कहा जाता है। यह मंदिर कितना प्राचीन है। जिसका कोई वास्तविक प्रमाण नहीं है। पहले खुले चबूतरे पर स्थापित इस मंदिर के किनारे पर तलाई हुआ करती थी। जिसके कारण इस मंदिर का नाम तलाई वाले बालाजी मंदिर पड़ गया। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां चोला चढ़ाने के लिए भक्तों को 22 साल का इंतजार करना पड़ता है। बता दें, अगर आप शनिवार या मंगलवार के लिए चोला चढ़ाने की बुकिंग करते हैं, तो आपको 2046 तक इंतजार करना होगा। क्योंकि मंगलवार के लिए 2024 में ही आपकी रसीद कट चुकी हैं। अब ऐसे में आखिर इस मंदिर मं भगवान हनुमान जी को चोला चढ़ाने के लिए 22 साल का इंतजार क्यों करना पड़ता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

भोग और राम रक्षा स्तोत्र पाठ के लिए लगती है लाइन

मंगलवार और शनिवार के दिन राम रक्षा का हवन कराने के लिए लंबी लाइन लगानी पड़ती है। यहां भोग के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है।

तलाई वाले बालाजी मंदिर की मान्यता

इस अनोखे मंदिर की खास बात यह है कि जो व्यक्ति इस मंदिर में पूजा-पाठ और अनुष्ठान करता है। उसकी सभी परेशानियां दूर हो सकती है। बता दें, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी इस मंदिर में अनुष्ठान किया था। वहीं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी यहां अनुष्ठान कर चुके हैं। यहां आने वाले सभी भक्तों की मुराद पूरी होती है।

स्वयंभू मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है बालाजी का मंदिर

यह मंदिर अपनी स्वयंभू मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि भगवान हनुमान जी की मूर्ति यहां किसी चमत्कारी घटना से आई थी। यह मूर्ति लगभग 7 फीट ऊँची है और इस प्रतिमा को बैठे हुए हनुमान की मुद्रा में दर्शाया गया है।

मंदिर परिसर में अन्य प्रतिमा है मौजूद

यह मंदिर अपनी भव्यता के लिए भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण प्राचीन वास्तुकला शैली के हिसाब से किया गया है। मंदिर परिसर में कई मंदिर और प्रतिमाएं हैं। जिनमें भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, गणेश और शिव की प्रतिमा भी शामिल हैं।

मंदिर में चोला चढ़ाने के लिए 22 वर्ष इंतजार क्यों?

हिंदू धर्म में 22 वर्ष का संबंध चक्र और धर्म से जुड़ा माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि 22 वर्ष बाद आत्मा का एक जीवन आरंभ होता है। इसलिए 22 वर्ष बाद तीर्थ स्थल के दर्शन करने से पुण्य प्राप्त होता है। साथ ही पिछले सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति 22 वर्ष बाद इस मंदिर में चोला चढ़ाने आता है। उसे प्रभु श्रीराम की विशेष कृपा मिलती है।

चुनावी सभा में कांग्रेस पर जमकर बरसे सीएम

माही की गूंज, खरगोन।

भाजपा प्रत्याशी गजेंद्रसिंह पटेल के समर्थन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार 24 अप्रैल को खरगोन पहुंचे। यहां सीएम यादव ने भाजपा प्रत्याशी गजेंद्रसिंह पटेल का नामांकन दाखिल कराया। नामांकन के बाद सीएम यादव ने जवाहर मार्ग पर जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लेते हुए तीखा तंज कसा।

सभा को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा, अंग्रेज चले गए, लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस छोड़ गए। ये लोग नरेंद्र मोदी को पानी पी-पीकर रोज गाली देते है।' कहा कि सोनिया गांधी इसलिए गाली देती है कि राहुल को पीएम नहीं बनने दे रहे हैं। इसका हम क्या करें भाई।

सीएम यादव ने कहा कि, कांग्रेस में परिवारवाद हावी है और वह अपने परिवार से बाहर नहीं आ रही है। वह राहुल और प्रियंका को आगे लाना चाहती है। उनको अपने राहुल व प्रियंका के अलावा कुछ दिखता नहीं। दूसरी ओर, लालू यादव तेजस्वी को और ममता बनर्जी अभिषेक को आगे लाना चाहती हैं। ये केवल परिवार तक ही सीमित हैं।

मंच से सभा को संबोधित करते हुए सीएम यादव ने कहा कि वहीं, पीएम मोदी कहते हैं देश के 142 करोड़ मेरा खानदान हैं। यह मेरे परिवार के लोग हैं। कांग्रेस को घेरते हुए सीएम यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सदस्य भगवा को लेकर सवाल खड़ा कर रहे हैं। जबकि, हमारे पीएम मोदी ने विश्व में भारत का मान बढ़ाया है।

इससे पहले खरगोन लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गजेंद्र सिंह ने आज नामांकन पत्र दाखिल किया। सीएम यादव ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने के लिए 'अब की बार 400 पार' का संकल्प हम सब मिलकर पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मंच से पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्ष भारत में गरीब, पिछड़ा एवं जनजातीय वर्ग के उत्थान को समर्पित रहे हैं। जनजातीय संस्कृति, परंपरा और पराक्रम से समृद्ध निमाड़ की पावन धरा खरगोन में उमड़ा जनसैलाब प्रमाण है कि डबल इंजन सरकार में मध्यप्रदेश भी, प्रत्येक वर्ग के विकास एवं कल्याण का नया अध्याय लिख रहा है।

हाईवे पर यात्री बस व ट्रक की भिड़ंत, 20 यात्री घायल

माही की गूंज, खरगोन।

जिले के मुंबई आगरा हाईवे पर एक निजी यात्री बस और ट्रक में जोरदार भिंड़त में बीस यात्री घायल हो गए। बस चालक सहित तीन गंभीरों को धार जिले के धामनोद रैफर किया गया।हादसे के बाद यातायात अवरुद्ध हो गया था। पुलिस के अनुसार धार खरगोन जिले के सीमा पर बने संजय सेतु पर मंगलवार सुबह 7.30 बजे हंस ट्रेवल्स बस क्रमांक (एनएल 07-बी 0684) ने ओवर टेक करते हुए ट्रक क्रमांक (एमएच 18-बीए-4755) को जोरदार टक्कर मार दी। एक घंटे की मशक्कत के बाद बस चालक को निकाला गया। इसमें उसका एक पैर कट गया। तीन गंभीर घायल को धामनोद रैफर किया गया है। यात्री बस सोलापुर महाराष्ट्र से इंदौर जा रही थी। बस हादसे में यात्रियों का सामान भी बिखर गया। कुछ शक्कर की बोरिया रोड पर भी बिखरी हुई दिखाई दी। दूसरी ओर नेशनल हाईवे पर वाहनों की कतारें लग चुकी थी। पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था दुरुस्त कर मार्ग शुरू करवाया गया। कुछ वाहन रांग साइड से भी जाते दिखे।

उल्लेखनीय है कि, दो साल पूर्व में भी महाराष्ट्र की यात्री बस नर्मदा नदी में गिर गई थी। फिर भी बसों की तेज रफ्तार पर जिम्मेदार नहीं लगा पा रहे अंकुश। कुछ बसों में तो अधिक से अधिक यात्रियों को बैठाकर परिवहन किया जा रहा है। बलकवाड़ा टीआइ रामेश्वर ठाकुर ने बताया घायलों को धामनोद उपचार के लिये भेज दिया है। आगे चल रहे ट्रक से बस की टक्कर हुई है।

दुर्घटना में घायल हुए यात्री

33 वर्षीय मुकेश वधु राऊ, 30 वर्षीय रोशनी मानतेस कर्नाटक बैंगलोर, 23 वर्षीय सना आशिक महाराष्ट्र, 45 वर्षीय प्रदीप राजोरे औरंगाबाद, साधना टिशाह ओरंगाबाद, उषा सुशील शिरपुर महाराष्ट्र, नसरीन एहमद इंदौर, रोहित रविंद्र सोलापुर महाराष्ट्र, सविता मधुकरुपनरोर इंदौर, सोनू हल्के भैय्या भोपाल, रूआन मानतेस, कर्नाटक, सुरेश गोविंद भोपाल, नितिन देवीदास भोपाल, आनंद संतबिहारी बनारस, ऋषि सुरेश भोपाल, संगीता सुरेश भोपाल, दिलशाद नंदू धामनोद, दुर्गेश जगतसिंग भोपाल, प्रशांत प्रकाश सोलापुर महाराष्ट्र घायल हुए।

मतदान करने पर होटल रेस्टॉरेंट में तीन दिनों तक मिलेगा 10 प्रतिशत डिस्कांउट

जिले के 73 होटल रेस्टॉरेंट एवं मिठाई प्रतिष्ठानों ने दी है सहमति

माही की गूंज, खरगोन।

मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत जिले में मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए प्रतिदिन नवाचार किये जा रहे है। इसी श्रंखला में स्वीप नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत आकाश सिंह (आईएएस) द्वारा जिले भर में 73 होटल रेस्टॉरेंट एवं मिठाई प्रतिष्ठानों का चयन किया है जहां 10 प्रतिशत डिस्कांउट दिया जायेगा। जिले के इन 73 प्रतिष्ठानों के संचालकों ने मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मतदान करके आने वाले मतदाताओं को मतदान के दिन से तीन दिनों तक अर्थात 13 से 15 मई तक 10 प्रतिशत डिस्कांउट देने की सहमति प्रदान की है।

तकनीकी सहायक जिला पंचायत नीरज अमझरे ने बताया कि जिले में लगभग 14.50 लाख मतदाता है एवं लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत जिले में 13 मई 2024 को मतदान होना है। चयनित प्रतिष्ठान पर मतदाता द्वारा मतदान की स्याही लगी उँगली बताने पर खाद्य सामग्री पर उपभोक्ता को दिनांक 13, 14 एवं 15 मई 3 दिन तक 10 प्रतिशत डिस्कॉउंट दिया जायेगा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी एचएल अवास्या ने बताया कि, जिला प्रशासन की मंशा से जिले में स्थित खाद्य सामग्री विक्रेता प्रतिष्ठानों को अवगत कराया गया। जिस पर 73 प्रतिष्ठानों के संचालकों ने अपनी सहमति प्रदान की है। इसमें नगरीय क्षेत्र खरगोन के नक्षत्र होटल एण्ड रिसोर्ट, अग्रवाल होटल, कस्तुरी होटल, होटल शक्ति एवेन्यू, कृष्णा होटल एण्ड रिसोर्ट, गोपाल होटल, होटल न्यू सुन्दरम, श्री प्रभुकृपा होटल, ओम शिवम् होटल नटराज होटल, गुरुकृपा रेस्टॉरेंट, नटराज नाश्ता पॉइंट, लजीज़ होटल, गुप्ता कचोरी, कल्लु पेड़े वाला, वल्लभा स्विट्स, रुपश्री स्विट्स, जोधपुर स्विट्स, मिठास स्विट्स, लक्ष्मी एव्हरफ्रेश स्विट्स, अम्बिका स्विट्स शामिल है। इसी प्रकार कसरावद के अमरदीप होटल, पेटपूजा होटल, सागर होटल, आम्रपाली स्विट्स, महावीर होटल, चार्ली स्विट्स, भगवती स्विट्स, मयूर स्विट्स, बड़वाह का मनभावन होटल, खण्डेलवाल स्विट्स, मधुबन स्विट्स, मोदरी स्विट्स, किरणश्री भोजनालय, सनावद का माँ शारदा होटल, गोकुल होटल, दरियाव भाई होटल, बालाजी कचोरी, गोपाल स्विट्स,बाबा रेस्टॉरेंट, मण्डलेश्व र का माँ अन्नपूर्णा स्विट्स, माँ नर्मदा रेस्टॉरेंट, सिद्धी विनायक स्विट्स एण्ड दूध डेयरी, महेश्व र का होटल रियल पैलेस, वैष्णवी स्विट्स, राजराजेश्वर स्विट्स, सियाराम स्विट्स, श्री बालाजी राजस्थान स्विट्स एण्ड नमकीन, राजभोग होटल, गुरुकृपा होटल, सेगांव का शुभम रेस्टॉरेंट, माँ अम्बिका रेस्टॉरेंट, साँवरिया स्विट्स, कंचनश्री स्विट्स, श्री भीलटदेव स्विट्स, भगवती रेस्टॉरेंट, यदवश्री ढाबा, जायसवाल ढाबा, रणजीत ढाबा, भीकनगांव का बोरगांव नमकीन एवं स्विट्स, माँ होटल, अभिषेक होटल, राम भरोसे होटल, चेतना जैन ढाबा, नरेन्द्र होटल, जैन भोजनालय, बिस्टान का राजस्थान स्विट्स, महांकाल रेस्टॉरेंट, शेरे पंजाब ढाबा, नायक ढाबा एवं नगरीय क्षेत्र करही का छायां रेस्टॉरेंट, शिवम उपहार गृह, कृपाली रेस्टासरेंट शामिल है।

बैंड बाजे व ढोल-ढमाकों के साथ निकली शोभायात्रा

माही की गूंज, अलीराजपुर।

श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर प्रांगण में बजरंग भक्त मंडल के तत्वाधान में की हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा मंगलवार शाम पांच से सिद्धेश्वर हनुमान परिसर से बैंड बाजे व ढोल ढ़माकों के साथ निकाली गई।

बजरंग भक्त मंडल के मीडिया प्रभारी कांतिलाल राठौड़ ने बताया कि, बजरंग भक्त मंडल के सदस्यों ने इस वर्ष हनुमान जन्मोत्सव पूर्ण भक्तिमय स्वरुप में शोभायात्रा निकाली गई, श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर परिसर को विशेष साज सज्जा से सुसज्जित किया गया। बजरंग भक्त मंडल के सदस्यों को शोभायात्रा में पुरुषों के द्वारा सफेद परिधान व महिलाएं केसरिया व पीले परिधान में शामिल हुए। मंदिर में प्रातः 5.55 बजे बाबा की जन्मोत्सव आरती उतारी गई। श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर परिसर से ढोल-ढमाकों के साथ शोभायात्रा शाम 6 बजे मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुई, जो सिनेमा चौराहा, प्रताप गंज मार्ग, रणछोड़राय मार्ग, आमला लाइन, बस स्टैंड, नीम चौक, पोस्ट ऑफिस चौराहा, वाणी मोहल्ला, रामदेव मंदिर चौराहा होते हुए पुनः सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर पहुँची। जिसके पश्चात सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। रात्रि में बजरंग भक्त मंडल द्वारा सुन्दरकाण्ड का पाठ भी किया गया।

सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर के बजरंग भक्त मंडल के गोविंद जोशी, कृष्णकांत सोमानी, महेश बेडिया, कांतिलाल राठौड़, जेएल राठौड़ , कृष्णकांत नगवाडिया , नरेश सारडा, अजय शर्मा, प्रिंस सोनी, अवी भाटिया, हरे कृष्ण शर्मा, रमेशचंद्र राठौड़, ओमप्रकाश राठौड, अरविंद सोमोनी, चंदू राठी, राजाराम राठौड़ , नाथूलाल राठौड़, महिला मंडल सदस्य नीलम शर्मा, प्रियंका शर्मा, रिना शर्मा, सुनिता शर्मा, प्रांजल शर्मा सहित महिला मंडल की सदस्यो व मंडल सदस्यों ने नगरवासियों से इस पुनीत आयोजन में अधिक संख्या में सहभागिता करने का निवेदन भी किया था।

रंगोली, पैरोडी नृत्य, नांटक मंचन कर मतदाताओं को दिया मतदान करने का संदेश

भीकनगांव नगर में निकाली मतदाता जागरूकता रैली

माही की गूंज, खरगोन।

23 अप्रैल मंगलवार को भीकनगांव नगर के सरकारी स्कूल ग्राउंड से संयुक्त विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली बस स्टैंड से बड़ा चौराहा, झिरन्या रोड, विठल मंदिर चौक होते हुए बस स्टैंड पहुंची। रैली में सभी स्कूल के छात्र-छात्राएं एवं महिला बाल विकास आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता हाथों में मतदाता जागरूकता के नारे लिखे तख्तियां लैकर रैली में शामिल हुई।

सभी ने नगर के मतदाताओं को जागरूक करते हुए सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो के नारे लगाए। इस दौरान कार्यक्रम में जन नायक टंट्या मामा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता पर आधारित नाटक का मंचन प्रस्तुत किया। साथ ही कन्या शाला की छात्राओं द्वारा पैरोडी पर नृत्य करके मतदाताओं को मतदान करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सहायक नोडल अधिकारी राजेश केरावत ने सभी को मतदाताओं को निष्पक्ष होकर मतदान करने की शपथ दिलाई।

महिला बाल विकास द्वारा गायत्री मंदिर चौक पर रंगोली बनाकर नागरिकों को निष्पक्ष और निर्भीक होकर बिना प्रलोभन के स्वयं के विवेक से मतदान करने का संदेश दिया। मतदाता जागरूकता रैली में नगर परिषद सीएमओ रविकांत मगदारे, उत्कृष्ट प्राचार्य मनोज श्रीवास, बीईओ राजेश तिवारी जनपद पंचायत निरीक्षक दादू राम यादव सहित समस्त स्कूल का स्टाफ मौजूद रहा।

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के अंतर्गत हुआ विशेष व्याख्यान का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी में राज्य स्तरीय नैक प्रकोष्ठ एवं प्राचार्य डॉ. दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में प्रतिदिन मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विशेष व्याख्यान में डॉ. मंजुला जोशी ने ऑनलाइन ऑफलाइन गूगल लिंक के माध्यम से उषा प्रियवंदा की कहानी में मूल्य और संवेदना पर अपने विचार अभिव्यक्त किया। गजाधर बाबू सेवानिवृत्ति के बाद कैसे अपने परिवार में उपेक्षित महसूस करते हैंए बच्चों का पिता के प्रति कोई प्रेम सम्मान नहीं हैए वह अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं और पत्नी अपनी गृहस्थी में व्यस्त हैए अतः वह परिवार वालों से कह देते हैं मुझे रामविलास शर्मा जी की चीनी फैक्ट्री में नौकरी लग गई और पुनःवापसी हेतु सामान बांधने लगे। यही है नौकरी से घर और घर से नौकरी पर वापसी यही शीर्षक की सार्थकता भी व्यक्त करती है। घर जाकर व्यक्ति उपेक्षित महसूस करता है और घर के बजाय नौकरी पर जाना पसंद करता है।

श्वानों को लगाया गया निःशुल्क एंटीरेबीज़ टीका

माही की गूंज, खरगोन। आवारा श्वान एवं पालतु श्वानों के द्वारा मनुष्यों में फैलने वाली संक्रामक बीमारी रेबीज़ से बचाव के लिए कर्तव्य फांउडेशन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के अमले द्वारा 24 अप्रैल को जिला मुख्यालय स्थित पशु चिकित्सालय खरगोन में व्यापक प्रचार-प्रसार कर निःशुल्क एंटीरेबीज़ टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। इस दौरान शहर के लगभग 100 से 150 आवारा एवं पालतु श्वानों का निःशुल्क एंटीरेबीज़ टीकाकरण किया गया। शिविर में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं खरगोन डॉ. एलएस बघेल, शहर के गणमान्य नागरिक, कर्तव्य फांउडेशन के कार्यकर्ता एवं विभागीय अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहें।

25 मरीजों का होगा मोतियाबिंद का ऑपरेशन

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्य ज़िला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे और सिविल सर्जन डॉ. अनीता सिंगारे ज़िला चिकित्सालय बड़वानी के मार्गदर्शन में लायंस क्लब बड़वानी सिटी और ज़िला चिकित्सालय बड़वानी के संयुक्त तत्वावधान में 24 अप्रैल बुधवार को निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 25 मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन के लिए शंकरा नेत्र चिकित्सालय इंदौर भेजा गया। जहां पर उनका सफल लेंस प्रत्यारोपण किया जावेगा। लायन महेश शर्मा ने बताया कि उक्त नेत्र शिविर में धार, अलीराजपुर और बड़वानी जिले से लगभग 93 नेत्र मरीज़ अपना ईलाज कराने के लिए पहुंचे।डॉक्टर आशीष सेन और नेत्र सहायक अनिल राठौड़, रविन्द्र टेकाम ने मरीजों का परीक्षण किया। शिविर स्थल पर ही मरीजों का ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच की गई। लायन राम जाट ने बताया कि सभी 25 मोतियाबिंद के मरीजो को लैंस प्रत्यारोपण हेतु शंकरा आई हॉस्पिटल इन्दौर बस द्वारा भेजा गया है। जन्हा पर ऑपरेशन कर लैंस प्रत्यारोपित किए जाएंगे एवम दवाई चश्में भी निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। लायन लायन देवेन्द्र पाल सिंह भाटिया ने शिविर की व्यवस्था संभाली तथा लायंस क्लब बड़वानी सिटी द्वारा मरीजों और उनके साथ आए व्यक्तियों को निःशुल्क भोजन कराया गया।

सफेद साड़ी वाली ने 100 गुना करने का लालच दिया, महिलाओं को शमशान बुलाकर की ठगी

माही की गूंज, धार।

कुक्षी तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में तांत्रिक क्रिया के नाम पर रात्रि में महिलाओं को श्मशान बुलाकर 100 गुना करने का झांसा देकर ठगने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित महिलाओं ने सफेद साड़ी पहनने वाली अज्ञात महिला के विरुद्ध सोमवार को आवेदन दिया है। पुलिस टीम मामले की जांच में जुट गई है।

कुक्षी थाना क्षेत्र के ग्राम देशवाल्या व आसपास गांवों की महिलाएं सोमवार को कुक्षी थाने पहुंची, जहां थाना प्रभारी राजेश यादव को आवेदन दिया।आवेदन में महिलाओं ने बताया कि वे कुछ दिनों पहले एक सफेद साड़ी वाली तांत्रिक महिला के संपर्क में आई थी। बातचीत में उसने हमें 100 गुना करने का दावा करते हुए लालच दिया। हमारे गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर रामपुरा के श्मशान घाट में रात्रि करीब नौ बजे बुलाया। उसने कहा कि वह एक लाख रुपये के हाथों-हाथ एक करोड़ रुपये और 50 हजार के 50 लाख रुपये बनाकर देगी। उसकी बातों में आकर महिलाएं रात में रामपुरा के श्मशान घाट पहुंची, जहां उक्त सफेद साड़ी पहनी महिला ने लाल कपड़ा बिछाया। महिलाओं से कहा कि वे साथ लाई रुपयों की गड्डी लाल कपड़ा में रख दें। इसके बाद तांत्रिक महिला ने इन्हें ताला लगा झोला दिया और कहा कि नौ दिनों बाद कन्याओं को भोजन कराने के पश्चात ही झोले को खोलना।

सभी ग्रामीण महिलाएं इस तांत्रिक महिला के झांसे में आ गईं। अगली बार ये महिलाएं जब उक्त सफेद साड़ी वाली तांत्रिक महिला से मिलने पहुंची तो उसने इन्हें बताया कि उसकी मां बीमार है और उसकी दादी की मौत हो गई है। इसके चलते झोले में लगे ताले की चाबी 11 दिनों बाद देगी और इन महिलाओं को वहां से भगा दिया।

इसके बाद वह तांत्रिक महिला फरार हो गई। तंत्र क्रिया के नाम पर लाखों करोड़ों पाने की चाह में महिलाएं ठगी का शिकार हो गई। महिलाओं को शक हुआ। इस पर बसंती बाई व सुरलीबाई सहित अन्य महिलाओं ने झोले का ताला तोड़ दिया। जैसे ही झोले के अंदर निगाह डाली तो इनके होश उड़ गए, क्योंकि झोले के अंदर कागजों की गड्डियां, गत्ते के टुकड़े व छोटे-छोटे पत्थर नजर आए। इसी के बाद ठगी का शिकार महिलाएं कुक्षी थाने पहुंची थी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की है।

एक माह बीत जाने के बाद भी पुलिस ने नहीं दर्ज की एफआईआर

महिला का आरोप- पुलिस समझौते के लिए डाल रही दबाव

मामलाः पति की मौत के बाद खाते में आई 75 लाख रुपए की बीमा राशि निकालने का

माही की गूंज, जोबट। खलील मंसूरी

एक आदिवासी विधवा महिला पति की मौत के बाद उसकी बीमा राशि लेने के लिए परेशान हो रही है। पति की दूसरी पत्नी ने अपने भाई के साथ मिलकर महिला के खाते से बीमा राशि के 75 लाख रुपए निकाल लिए थे। महिला को जब जानकारी लगी तो उसने बैंक और पुलिस थाने में शिकायत की। लेकिन एक माह बाद भी पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की है। महिला का आरोप है कि पुलिस आरोपी पक्ष के साथ समझौता करने का दबाव बना रही है।

ग्राम पंचायत मोटा उमर के गाली महुड़ी फलिया की रहने वाली फुलबाई ने बताया पति की मौत के बाद बैंक की साठ-गांठ से पति की दूसरी पत्नी पिंकी डूडवे व उसके भाई ने बीमे की सारी राशि निकाल ली। इसकी शिकायत उसने 13 मार्च 2024 को सभी सबूत और दस्तावेजों के साथ आम्बुआ पुलिस से की थी। लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी आम्बुआ पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। महिला ने एसपी को भी आवेदन दिया था। इसके बावजूद एफआईआर नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है। उसने आरोप लगाया कि, आम्बुआ पुलिस उसे व उसके ससुराल वालों को फोन लगाकर समझौता करने का दबाव बना रही है। फुलबाई का कहना है उसने एचडीएफसी बैंक जोबट के प्रबंधक से खाते में लगने वाले दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति मांगी तो बैंक प्रबंधक ने इनकार कर दिया। महिला ने बताया, वह शिकायत लेकर भोपाल जाकर मुख्यमंत्री सहित, पुलिस राज्य महानिदेशक भोपाल से शिकायत करेगी।

यह है मामला

मामला जोबट की एचडीएफसी बैंक का है। ग्राम पंचायत मोटा उमर के गाली महुड़ी फलिया की रहने वाली आदिवासी महिला फुलबाई के पति केरमसिंह की आकस्मिक मृत्यु 19 मार्च 2022 को हो गई थी। वह अहमदाबाद में किसी कंपनी में ठेकेदारी का काम करता था। फुलबाई का पता चला कि उसके नाम से एचडीएफसी बैंक शाखा जोबट में खाता है। उसमें इंट्री करने पर पता चला खाते में 75 लाख रुपए बीमा राशि के आए थे। जिसे मृतक की दूसरी पत्नी पिंकी डूडवे ने अपने भाई निलेश गुथरिया ने निकाल लिया। इसके बाद उसने आम्बुआ थाने में शिकायत की थी। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई।

दबाव बनाने की बात गलत है

वहीं मामले में योगेंद्र मंडलोई थाना प्रभारी आम्बुआ ने ऊनी सफाई देते हुए बताया कि, शिकायत होने के बाद मामले की जांच की जा रही है। समझौते के लिए दबाव बनाने की बात गलत है।

जनता की परेशानियों को कौन समझेगा...?

रोड की खुदाई कर फिर बंद कर दिया कार्य, कीचड़ और गड्ढों से गुजरने को मजबूर रहवासी

माही की गूंज, उदयगढ़।

उदयगढ़-बोरझाड से उदेगड रोड निर्माण कार्य को शुरू हुए लगभग एक वर्ष से अधिक समय होने को है, परंतु निर्माण की धीमी गति के कारण बमुश्किल कुछ किलो मीटर मार्ग का ही निर्माण हो सका है। विडम्बना यह है कि, रहवासियों को आधी-अधूरी खोदी गई सड़क को लेकर खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पुरानी सड़क खुदाई के दोरान नल व नालियों की लाईन तोड़ दी गई है जिससे पूरी गंदगी रोड पर पिछले 10 दिनों से बिछी पड़ी है। आलम ये है व्यापारियों की दुकानों पर कोई आना पसंद नही कर रहा।

ये कहना है व्यापारियों का...

अगर सड़क निर्माण कार्य मे देरी थी तो बीच मार्केट की सड़क खोदना नही थी और खोद भी दी तो जो नल व नालियों को खुदाई के दोरान तोड़ा गया उसकी मरम्मत करवाना भी जरूरी थी। आदिवासी भाईयो की शादियों का हम व्यापारी सालभर से इंतजार करते है और आज हमारा व्यापार प्रभावित हो रहा है। कार्य जल्द न शुरू हुआ तो हम कलेक्टर के पास जाएँगे और नित प्रतिदिन हो रही परेशानियों से उन्हें अवगत कराएंगे।

जंगल मे रखी अवैध शराब को पुलिस ने किया जप्त

माही की गूंज, नानपुर।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि, लोकसभा निर्वाचन 2024 निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए अलीराजपुर पुलिस के द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 निर्विघ्न, भयमुक्त वातावरण में शांतिपूर्ण संपन्न कराये जानें के उददेश्य से संपूर्ण जिलें में अवैध शराब व्यवसाय में लिप्त असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर सूक्ष्मता से निगाह रखी जा रही थी। इसी क्रम में नानपुर पुलिस टीम के द्वारा बडी मात्रा मे अवैध शराब जप्त करने मे सफलता प्राप्त की है। नानपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि, ग्राम मोरासा के जंगल में अवैध रूप से बडी मात्रा में शराब संगृहित करके रखी हुई है। मुखबीर से प्राप्त सूचना पर नानपुर पुलिस टीम के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मोरासा के जंगल मे पुलिस टीम के द्वारा जंगल की झाड़ियो मे तलाश करते पावर कूल एवं पावर 1000 की 58 पेटीयां छुपाकर रखी होना पाई गई। जिसे पुलिस द्वारा अपने कब्जे मे लेकर आज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक173/2024, धारा 34-2 आबकारी एक्ट कर पंजीबद्ध कर अवैध शराब जप्त कर प्रकरण अनुसंधान में लिया गया है। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी नानपुर उनि मुकेश कनासिया, सउनि दिनेश आवस्या, सउनि नरसिंह सेंचा,सउनि बाबूलाल गेहलोत, सउनि शान्तिलाल उपाध्याय, प्रधान आरक्षक 285 मनोज महिकाल आरक्षक 197 धन सिंह कनेल, आरक्षक 394 कांतिलाल सोलंकी आर. 412 छन्नू, आरक्षक 552 भारत आरक्षक 325 केसरसिंह आरक्षक 209 तोलसिंह एवं आरक्षक अलावा का योगदान रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर बनाई जा रही सेवइयां

माही की गूंज, आम्बुआ।

वैसे तो सेवइयां मुस्लिम समाज में अधिक बनाने का रिवाज है वह भी मीठी ईद के मौके पर। लेकिन अन्य समाजों में भी बारह माह सेवइयां नाश्ते के रूप में बनाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषक परिवारों में भी गर्मी के मौसम में गेहूं के आटे या फिर मैदे से बनाई जाती है ताकि खेती किसानी के समय खेतों पर नाश्ते के रूप में ले जा सके क्योंकि यह कम समय में बन जाती है।

जैसा की विदित है सेवइयां बनाकर कई घरों में रख ली जाती है। यह लगभग सभी धर्म समाजों में किसी न किसी रूप में बनती है। कभी खुशी में मीठी ईद पर तो कभी नाश्ते के रूप में, यह ऐसा व्यंजन या नाश्ता है जो कम समय में तैयार हो जाता है तथा इसे पानी में उबाल कर या दूध में उबाल कर बनाया जा सकता है। अधिकांश घरों में यह मीठी बनाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषक परिवारों में गर्मी के दिनों में जैसे फुर्सत में महिला व बच्चे खाट पर मशीन बांधकर सेवइयां बनाने में जुट जाते हैं। गेहूं के आटे या मैदे से बनाए जाने वाली यह सेवइयां अच्छी तरह से सुखाकर डिब्बो में रख दी जाती है तथा जब भी जरुरत होने पर पका दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषक खेतों पर काम करने जाते हैं तो उन्हें नाश्ता भेजा जाता है जिसमें नमकीन मक्का की राबड़ी, रोटी, पराठा, दलिया हालांकि यह सब बनने में समय लेते हैं इस कारण सेवइयां जिन्हें गर्म पानी में भी बनाया जा सकता है तथा गुड़ शक्कर मिला कर नाश्ते में परोसा जा सकता है। हमारे प्रतिनिधि में कुछ ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण किया तो घरों में महिलाएं व बच्चे खटिया पर मशीन बांधकर सेवइयां बनाते मिले।

नहीं मिले हथिनी स्टाप डैम के गेट

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ बोरझाड़ के मध्य बहने वाली हथिनी नदी पर वर्षों पूर्व बने स्टाप डैम के कड़ी-शटर जीने वर्षा काल में निकाल कर नदी किनारे रख दिया जाता है को अज्ञात समय अज्ञात चोर उठा ले गए जिसका पता नहीं चल सका है। मजबूरन रेत की बोरियों से पानी रोकने का प्रयास विगत वर्ष किया गया मगर सफलता नहीं मिली और आज भी वह इसी हालत में है। एक अनुमान के मुताबिक हथिनी नदी पर स्टाप डैम का निर्माण 30-35 वर्ष पूर्व में विकासखंड उदयगढ़ के माध्यम से किया गया था आज इतने वर्ष बीत जाने के बाद इसमें लगी लोहे की कड़ी शटर (गेट) जंग लगने के कारण क्षतिग्रस्त हो गए जिससे पानी का रिसाव होता रहता था। ग्राम पंचायत बोरझाड़ द्वारा इसकी मरम्मत भी कराई गई थी। विगत वर्ष 2022-23 में वर्षा काल में कड़ी शटर निकालकर आधे आम्बुआ की ओर तथा आधे बोरझाड़ की और नदी किनारे पर प्रतिवर्ष के अनुसार रख दिए गए। उनमें से आम्बुआ की ओर रखे गए 6 गेट अज्ञात समय अज्ञात चोर किसी वाहन में रखकर ले गए जिसकी सूचना पंचायत द्वारा थाने पर भी दी गई मगर आज तक कड़ी शटर (गेटों) का पता नहीं चल पाने से भविष्य में पुनः परेशानी उठाना पड़ेगी। नवीन गेट शटर हेतु जनपद उदयगढ़ द्वारा राशि स्वीकृत की जाने की जरूरत है जिसके लिए पंचायत प्रशासन प्रयासरत है।

चोरी के पहले गैंग करती है सुने मकानों की रेकी

माही की गूंज, उज्जैन।

शहर में चोरों को अब पुलिस का खौफ नहीं रहा..पिछ्ले एक हफ्ते से लगातार सूने मकानों में चोरियाँ हो रही हैं। पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा की जिम्मेदारी मजाक बनकर रह गई है। कॉलोनी के रहवासी अब खौफजदा जीवन जी रहे हैं।

धार्मिक नगरी उज्जैन में अब ऐसा लगने लगा है मानो इस शहर को चोरों के हवाले कर पुलिस भूल गई है। यह शहर महाकाल की नगरी होने के साथ-साथ इसलिए भी विश्व प्रसिद्ध है कि यहाँ सुबह 4 बजे प्रतिदिन भस्म आरती होती है और भस्म आरती में शामिल होने के लिए देशभर के श्रद्धालु रात 2 बजे से ही शहर की होटलों और घरों से निकलकर सड़कों पर आकर महाकाल की ओर आरती में जाते हैं। ऐसे में पुलिस की विशेष जवाबदारी होती है कि सड़कों पर लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहे लेकिन पिछ्ले एक सप्ताह से जिस प्रकार से चोरियाँ हो रही हैं उन्हें देखकर नहीं लगता कि पुलिस द्वारा रात्रि गश्त मुस्तैदी से की जा रही है। पिछ्ले एक सप्ताह से लगातार शहर की कॉलोनियों के सूने मकानों में चोरों ने बेखौफ होकर घरों के ताले तोड़े और लाखों रुपए की चोरियाँ कर फरार हो गए। पिछ्ले एक सप्ताह में नानाखेड़ा थाना अंतर्गत संत कबीर नगर में एक प्रोफेसर के मकान में चोरी हुई, वह परिवार के साथ शादी में गए थे। फिर नागझिरी थाना स्थित कॉलोनी शिप्रा विहार में शिक्षक परिवार के घर चोरी हुई, यह अपने परिवार के साथ माता पूजन के लिए गाँव गए थे। रविवार रात में एमआर 5 रोड स्थित कॉलोनी के तीन मकान में एक साथ चोरी की वारदात हुई। इन तीनों मकान के निवासी भी घरों से बाहर गए हुए थे। सूने मकानों में लगातार हो रही चोरी की वारदातों को देखकर ऐसा लगता है कि चोर पहले एक-दो दिन कॉलोनियों में घूमकर सूने मकानों की रैकी कर रहे हैं, इसके बाद रात में आराम से इन मकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

अनदेखीः गणवेश वितरण में गड़बड़ी, जिम्मेदार फिर भी कह रहे नियम से काम कर रहे हैं

बिना सत्यापन संकुलों में पहुंचा रहे गणवेश, समुह की बजाए आजीविका मिशन के अकिारी कर रहे वितरण

माही की गूंज, जोबट।

स्कूलों में हर साल कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को शासन की ओर से दी जाने वाली गणवेश अब तक नहीं बंट पाई है। जो गणवेश तैयार हुई है उन्हें संकुलों तक पहुंचाने में भी नियम का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। समूह की महिलाओं को गणवेश सिलकर संकुलों तक पहुंचाना है लेकिन आजीविका मिशन के अधिकारी संकुलों में गणवेश लेकर पहुंच रहे हैं। चौकाने वाली बात तो यह है कि संकुल तक पहुंचाई जा रही गणवेश का सत्यापन भी नहीं हो पाया है। इन सबके बावजूद जिम्मेदार कह रहे हैं कि हम नियम अनुसार काम कर रहे हैं।

शनिवार को उदयगढ़ संकुल में आजीविका मिशन के अधिकारी एक वाहन में गणवेश के थैले भरकर आए और जन शिक्षक इकबाल शेख को सौंप दिए। जबकि गणवेश संकुल तक पहुंचाने का काम आजीविका मिशन का नहीं है। नियम के अनुसार महिला समूह को ही गणवेश संकुल केंद्र तक पहुंचाना है लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। दरअसल, महिला समूह के माध्यम से गणवेश तैयार कर इसे स्कूली बच्चों को वितरण करना थी। ताकि महिलाओं को रोजगार के साथ उनकी आय में वृद्धि हो। किंतु जब महिला समूह से इस संबध में चर्चा की गई तो उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कपड़ा खरीदी से लगाकर वितरण तक हमारा कोई हिस्सा या जिम्मेदारी नहीं है। महिला समूह से चर्चा अनुसार ब्लॉक स्तर के अधिकारी कटिंग की हुई गणवेश सिलाई के लिए सिलाई केंद्र पर महिला समूह को उपलब्ध करा रहे हैं। गणवेश सिलने के बाद संख्या के हिसाब से प्रति गणवेश की सिलाई 60 रुपए के मान से महिलाओं के खाते में जमा की जाने की बात सामने आई है। जबकि नियमानुसार गणवेश राशि महिला समूह को गणवेश के वर्क आदेश के हिसाब से गणवेश राशि समूह के खाते में जमा की जाना थी। महिला समूह को अपने वर्क आदेश के हिसाब से कपड़ा स्वयं को खरीदना है। खरीदी में तीन कोटेशन की प्रकिया अपनाई जाना है। लेकिन महिला समूह कपड़ा खरीदी से अनभिज्ञ है।

37 हजार 436 छात्र-छात्राओं को करना है वितरण

उदयगढ़ जनपद शिक्षा केंद्र के अंतर्गत करीब आठ संकुल केंद्र आते हैं। इसमें संकुल केंद्र कन्या बोरी, बालक बोरी, कुंडलवासा, उदयगढ़, बड़ी जुवारी, कानाकाकड, बोरझाड़ और संकुल केंद्र कालूवाट शामिल है। इन आठ संकुल में करीब 321 प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में 37 हजार 436 छात्र-छात्रा अध्ययनत है। इन सभी को गणवेश दी जाना है।

दो-दो जोड़ी गणवेश देना है

शासन द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रति वर्ष दो-दो जोड़ी गणवेश वितरण करने का प्रावधान है। जिसके अंतर्गत शासन ने गत वर्ष 2022-23 शिक्षा सत्र के साथ वर्ष 2023-24 शिक्षा सत्र की भी एडवांस राशि दोनों शिक्षा सत्र की साथ में राशि उपलब्ध करा दी थी। ताकि स्कूली बच्चों को गणवेश समय पर उपलब्ध हो सके। जबकि वर्ष 2023-24 शिक्षा सत्र की गणवेश पूरे सत्र बीत जाने के बाद नवीन सत्र 2024-25 के प्रारंभ होने के बाद वितरित नहीं हो सकी है।

नियम से कर रहे हैं काम

मामले में श्रीराम डूडवे जिला गणवेश प्रभारी ने बताया कि, गणवेश वितरण संबंधी सभी कार्य हम नियम से ही कर रहे हैं। मामाजी की तबियत खराब है, इसलिए मैं बड़वानी आया हूं, बाकी जानकारी सोमवार को दे पाऊंगा।

जानकारी जिला स्तर पर भेज दी थी

वहीं रामसिंह सोलंकी बीआरसी उदयगढ़ का कहना है कि, हमसे जो जानकारी मांगी थी हमने जिला स्तर पर भेज दी थी। गणवेश का सत्यापन अभी नहीं हुआ है।

आयकर व अन्य जांच एजेंसीयो की दोहरी कार्यप्रणाली क्यों...?

कर्मचारी के नाम पर लिए जाते हैं करोड़ों के शराब ठेके पर यह करोड़ की संपत्ति का हिसाब क्यों नहीं मांगती जांच एजेंसियां!

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसुरी

राजस्व विभाग के बाद आबकारी विभाग ही एक ऐसा बड़ा विभाग है जिससे सरकार को एक बड़ा राजस्व मिलता है और कहा जाता है कि, इस विभाग से इतना राजस्व मिलता है कि, मध्य प्रदेश में 5 से अधिक बड़े विभागों के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की सैलरी की पूर्ति इस विभाग से हो जाती है। आबकारी विभाग द्वारा दिए जाने वाले शराब के ठेके पद्धति में भले ही उमा भारती सरकार ने एकल प्रणाली व्यवस्था शुरू कर छोटे व्यापारियों को जोड़ने व बड़े एवं प्रभावी व्यक्तियों के आतंक से बचाने के लिए कार्य योजना बनाई थी। परंतु यह कार्य प्रणाली धीरे-धीरे खत्म की जा रही है और मध्य प्रदेश के पांच जिलों को एक समूह में परिवर्तित कर दिया। वहीं अन्य जिलों में भी पूर्व से एकल प्रणाली व्यवस्था में भी तीन से चार दुकानों का एक ग्रुप बनाकर शराब ठेके दिए जा रहे हैं। यह तो सही है कि, शराब का कारोबार करने वाला आर्थिक रूप से सक्षम होकर राजनीतिक क्षेत्र में भी अपना बड़ा प्रभाव रखने वाला व्यक्ति ही इस व्यवसाय से जुड़ा है और करोड़ों रुपए के ठेके लेकर कई गुना लाभ भी बड़े पैमाने पर कमा रहे हैं। फिर भी प्रतिवर्ष हर ठेकेदार सार्वजनिक रूप से यही कहता नजर आता है कि, इस वर्ष तो शराब ठेके में बहुत नुकसानी हो गई है की गौरवक्ति करते ही रहते है। ठेकेदार की उक्त गौरवक्ति सिर्फ और सिर्फ आम लोगों को इसलिए कही जाती है की उनका कोई अवैध कारोबार में नुकसान नहीं करें और दूसरा नवीन सत्र में मिलने वाले ठेके का मूल्य प्रशासन पर नुकसानी का दबाव बनाकर कम करवा सके।

उक्त बदनियति के साथ शराब का कारोबार करने एवं आतंक के पर्याय बन चुके यह ठेकेदार करोड़ों रुपए के शराब के ठेके अपने कर्मचारियों के नाम से या फिर कर्मचारियों के नाम से ही कोई फर्म बनाकर ठेका ले लेते हैं। वही बैंकों से यह ठेकेदार अपनी गारंटी की सॉल्वेंसी उन कर्मचारियों व फर्म के नाम से बना लेते हैं। इतना ही नहीं यह उन कर्मचारियों या फर्म वाले व्यक्ति के तमाम दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा कर ओडी लोन भी बैंकों से ले लेते हैं। कई बार तो यह बड़े ठेकेदार स्थानीय छोटे ठेकेदारों को अपना छोटा-बड़ा पार्टनर बनाकर उसके नाम से भी ठेके लेकर उनकी फर्म के नाम से बैंक अधिकारियों से सेटिंग कर छोटे पार्टनर व कर्मचारियों के नाम से उसकी बिना जानकारी के ही ओडी लोन प्राप्त कर लेते हैं और जब दो-चार वर्षो बाद उनके द्वारा लोन या लोन का ब्याज तक नहीं भरा जाता है। ऐसी स्थिति में बैंकों द्वारा पैसों की रिकवरी हेतु जारी किए जाने वाले नोटिस मिलने के बाद पता चलता है कि, कभी बैंक में जाकर जो ओडी लोन लिया ही नहीं उसकी रिकवरी का नोटिस प्राप्त होने पर पता चलता है कि, इस तरह से चालबाज व बड़े ठेकेदारों ने उनके नाम व फर्म के नाम से लोन ले लिया है। उसके बाद ठेकेदार के साथ मिलकर हाथ पेर जोड़ने के साथ उसका समाधान लंबे समय के साथ किया जाता रहा है। ऐसे कई मामले सामने आए भी और ऐसे मामलों का इस प्रतिनिधि ने भी पूर्व में खुलासा किया है।

आयकर विभाग की नजर क्यों नहीं...?

हमारी बात यहां यह है कि, आयकर विभाग या इससे जुड़े केंद्रीय जांच एजेंसियां, प्रादेशिक जांच एजेंसी की नजर इस पर क्यों नहीं रहती है की कौन-कौन व्यक्ति करोड़ का शराब का ठेका ले रहा है और करोड़ों रुपए के शराब के ठेके लेने वाले के पास इतनी करोड़ो की संपत्ति कहां से अर्जित की गई है और इतनी एक नंबर में राशि का जिसका रिकॉर्ड आयकर विभाग में है या नहीं...?

कहने को तो शराब ठेकों का संचालन बड़ा ठेकेदारी ही करता है व ठेका लेता है। लेकिन यह शराब ठेकेदार कानूनी पछड़े से बचने के लिए कई बार अपने कर्मचारियों या छोटे पार्टनर के नाम से ही ठेके लेकर अपना अवैध कारोबार ठेके की आड़ में करते हैं। लेकिन जब इन ठेकेदारों का नाम समाचार पत्रों में प्रकाशित होने पर कानूनी दाव पेज खेलते हुए, मैं लाइसेंस नहीं हूं की गौरवक्ति कर अपनी मानहानि बताकर डराने व धमकाने के उद्देश्य के साथ यह ठेकेदार पत्रकारों के नाम वकीलों के माध्यम से नोटिस तक भेजने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। लेकिन ऐसे शराब ठेकेदार जो अपने अर्थ लाभ के लिए आतंक का पर्याय बन चुके हैं एसो का मान तो क्या हम उनकी समाज में एक कोडी की भी औकात नहीं समझते। लेकिन करोड़ों रूपयों का हैर-फैर करने वाले आतंक का पर्याय बन चुके शराब ठेकेदार अपने गूर्गो के नाम से करोड़ों के ठेके लेते हैं पर आयकर विभाग से लेकर अन्य संबंधित जांच एजेंसी इस ओर अपनी जांच का रूख क्यों नहीं करती ? जबकि करोड़-दो करोड़ या 5 करोड़ तक के व्यापारियों के टर्नओवर करने वाले व्यापारियों के यहां भी जांच एजेंसी अपनी कार्रवाई करने में पीछे नहीं रहती है।

हाल ही में झाबुआ के एक बर्तन व्यापारी के यहां भी आयकर विभाग से संबंधित एक जांच एजेंसी ने तीन दिन तक कार्रवाई करते हुए डेढ़ करोड़ के टर्नओवर पर ही जीएसटी नहीं भरने पर 32 लाख की वसूली की कार्यवाही की। वहीं झाबुआ जिले की ही बात करें तो यहां पर नवीन सत्र 2024-2025 हेतु शराब ठेके कहने को तो अलकेश बाकलिया एवं इंदौर के शराब व्यापारी पिंटू भाटिया, एके सिंह आदि ने ग्रुप में लिए हैं। लेकिन उक्त ठेका गुरु कृपा बायोफ्यूल एलएलपी के फर्म के नाम से लिया है। बताया जा रहा है कि, उक्त फर्म के प्रोपराइटरो के नाम भी शराब दुकानों पर भले ही अंकित नहीं किए हैं, लेकिन शराब की जानकारी रखने वाले बताते हैं कि, उक्त कंपनी के प्रोपराइटर शराब माफिया के कर्मचारी नीरज कुमार, संदीप जुनेजा व ओम पुरोहित आदि के नाम बताए जा रहे हैं। इसमें से नीरज व संदीप को अलकेश बाकलिया के ही गुर्गे होना बताया जा रहा हैं। ऐसे में इन कर्मचारियों के नाम से जिले की 33 देशी एवं विदेशी कॅम्पोजिट शराब दुकानों को टेंडर के माध्यम से करीब 231 करोड रुपए के ऊपर में लिया गया है। ऐसे में यह सबसे बड़ा जांच का विषय आयकर विभाग व उससे जुड़े सभी जांच एजेंसियों के लिए है कि, जो शराब कंपनी में महज एक कर्मचारी है, वह 231 करोड़ की इतनी बड़ी आय या शराब ठेके में डिपॉजिट की गई राशि आखिर इन कर्मचारियों ने किस आय से अर्जित की है और उसका हिसाब-किताब आयकर विभाग में है या नहीं की कोई जांच आखिर इन जांच एजेंसियों द्वारा क्यों नहीं की जाती है ? यह बड़ा सवाल खड़ा होता है। ऐसे में आयकर विभाग व इससे जुड़े संबंधित जांच एजेंसी की दोहरी कार्य प्रणाली ही नजर आती है। बता दे कि, जहां एक तरफ दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के विरुद्ध आबकारी विभाग में करीब 140 से 144 करोड रुपए के भ्रष्टाचार की बात भाजपा सरकार व जांच एजेंसियां कर रही है, मामले में सांसद से लेकर मंत्री व मुख्यमंत्री तक को जेल की सलाखों में जाना पड़ा है। ऐसे में झाबुआ जिले का शराब का ठेका 231 करोड़ के ऊपर में कर्मचारियों को प्रोपराइटर बनाकर कर्मचारी के नाम से फर्म बनाकर ठेका लिया गया है। इतनी बड़ी राशि कर्मचारियों के पास कहां से आई यह जांच का विषय बनता ही है पर इन पर कोई जांच नहीं होने पर संबंधित जांच एजेंसी व सरकार भी दोहरी कार्य प्रणाली के आरोपों से घिरे नजर आ रही हैं।

असालिया में नल-जल योजना बनी किसानों का सिर दर्द, कार्य भी चढ़ रहा भ्रष्टाचार की भेंट

माही की गूंज, पेटलावद।
विजय पाटीदार

ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित मार्ग ठेकेदार ने खोदा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक ऐसी योजना जो ठेकेदार की लापरवाही के चलते किसानों के लिए सर दर्द बनी हुई है। हम बात कर रहे हैं एक ऐसी योजना की जिसे लागू करते समय प्रधानमंत्री ने यह नहीं सोचा होगा कि, इस योजना को जमीन स्तर पर लागू होने के बाद यह कहीं न कहीं किसानों के लिए परेशानी का सबब भी बनेगी। आमतौर पर ऐसा देखा जा रहा है कि, जहां कहीं खुदाई का कार्य सरकारी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को नुकसानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें कई जगह उनके खेत पूरे के पूरे खोद दिए गए हैं या कहीं न कहीं उनकी फसल को भी योजना को जमीनी स्तर पर उतरने के लिए नुकसान पहुंचाया गया है।

दरसल मामला यह है कि, हर घर नल हर घर जल योजना जन कल्याण को लेकर एक महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। जिसके अंतर्गत जिले के पेटलावद विकासखंड की ग्राम पंचायत असालिया में विगत कई दिनों से इस योजना के तहत पाईप लाइन खोदकर इसको जमीनी स्तर पर उतारा जा रहा है। जहां योजना अंतर्गत पाईप लाइन नियमानुसार ठेकेदार द्वारा नहीं खोदी गई जो किसानों के लिए सिरदर्द का सबब बनी हुई है। योजना अंतर्गत नल जल योजना के लिए जब पाइपलाईन खोदी जाती है तो वह कम से कम एक से डेढ़ मीटर की गहराई तक होनी चाहिए ताकि आने वाले समय में खेत की जुताई आदि कार्य करने में कोई परेशानी किसानों को ना आए। लेकिन ग्राम पंचायत असालिया में ठेकेदार ने ऐसा न करते हुए योजना को भ्रष्टाचार की भेट चढा कर नल जल की पाइपलाईन के लिए खोदी गई नाली को मात्र 1 से डेढ़ फीट तक ही खोदा है। वही कार्य के दौरान किसानो की कई पाइपलाईने भी फूट गई है। तथा जहां कहीं भी पाइपलाईन के लिए खोदने के लिए जेसीबी का उपयोग किया गया तब न तो किसानों को पता था न हीं ग्राम पंचायत को ताकि वह अपने ग्रामीणों को बता सके कि आज फलानी जगह पर पाइपलाईन खोदी जा रही है आप अपने पाइपलाईन जाकर बचा सकते हैं।

ठेकेदार द्वारा करीब डेढ फिट ही खुदाई कर पाइप को डाला जा रहा है जिसका माप स्थानिय किसान हाथो से कर रहा है।

निजी पाइपलाईन को लेकर हो चुका विवाद

मिली जानकारी अनुसार नल जल योजना के अनुसार खोदी जा रही पाइपलाईन के दौरान किसानों की निजी कई पाइपलाईन फूट गई थी। जिसके लिए कुछ किसानों की ठेकेदार व उनके कर्मचारियों के साथ हाथापाई भी हुई थी। और ठेकेदार ने गिरगीट की तरह रंग बदलकर माफी मांग मामले को ठंडा कर दिया। इसके बाद ही ठेकेदार ने किसानों की निजी पाइपलाईन को सुधार कर दिया। वही ठेकेदार फिर भी अपनी आदतो से बाज नही आकर जहां भी कहीं ठेकेदार द्वारा किसी निजी पाइपलाईन को तोड़ा जा रहा है वहां अगर कोई व्यक्ति आकर उसे सुधार ले तो ठीक है वरना उसे बिना सुधारे फूटे हुए ही पाईप जेसीबी मशीन से गड्ढे में गाड दिए जाते है।

ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि, जब बारिश के मौसम में किसान सोयाबीन आदि की बुवाई करेंगे तथा उसके बाद गेहूं की फसल की बुवाई करेंगे और जब फसल में सिंचाई की जरूरत होगी और वह अपनी पाइपलाईन में पानी छोड़ेंगे तब कई जगह ऐसे मामले भी सामने आएंगे जहां पानी एक सिरे से दूसरे सिरे तक न पहुंचकर बीच में ही फवारा छोड़ देगा। ऐसे में ठेकेदार की क्या जिम्मेदारी बनती है यह प्रशासन को जरूर तय करना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो इसके लिए प्रशासन को बिना किसी देरी के सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि आने वाले समय में ऐसी लापरवाही कोई ओर ठेकेदार न कर सके।

आओ हम सब पता करें...

बुलेट गाड़ी वाला आखिर कौन है वह व्यक्ति जो आरटीओ कर्मचारी बन बाहरी राज्य की बसों को रोक करता है पैसे वसूलने का प्रयास... ?

माही की गूंज, खवासा।

कहते हैं धुतारे कभी भूखे नहीं मरते और यह सही भी है। ये धुतारे कितनी भी चालाकी से कार्य कर लोगों को गुमराह कर अपना आर्थिक लाभ अर्जित करने का प्रयास कर ले पर वह एक न एक दिन सामने आ ही जाती है। आज हम ऐसे धुतारे के बारे में जानने का प्रयास करें कि, आखिर खवासा में ऐसा कौन धुतारा पैदा हो गया जो अपनी बुलेट गाड़ी पर जाकर अपने आप को आरटीओ विभाग का कर्मचारी बताकर बाहरी राज्य की आने वाली बसों को रोक उसके दस्तावेज चेक करता है और दस्तावेजों के साथ परमिट चेक कर कुछ न कुछ त्रूटी बताकर बसों वालों से बड़ी वसूली करने का प्रयास कर क्राइम करने वाला वो कौन व्यक्ति है...? जिसका हम सब पता लगाये।

बताया जाता है ऐसा कोई व्यक्ति है जो क्षेत्र में बसों के माध्यम से लोगों को एजेंट के रूप में यात्रा करवाता है। नतीजन इस व्यक्ति को पूर्ण जानकारी है कि, एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने पर किस तरह का आरटीओ टैक्स होता है। किस तरह से रूट को दर्शाया जाता है और त्रूटीवस परमिट न होना या परमिट होने के बावजूद रूट में परिवर्तन आ जाने पर भी आरटीओ विभाग के नियमानुसार कितनी पेनल्टी लगती है यह सब भी पूरी तरह से जानकारी प्राप्त है। नतीजन इसी अनुभव का लाभ उठाकर बताया जाता है कि, यह बुलेट गाड़ी वाला अपने आप को आरटीओ कर्मचारी बताकर अवैध वसूली कर क्राइम को अंजाम देने से पीछे नहीं रहा।

यह धुतारा आखिर कौन व्यक्ति है जो धुतारेपन में इतना कमीना है कि, किसी परिवार से राखी डोरे के संबंध होना बताकर उसी परिवार की तत्कालीन नाबालिक लड़की से अन्य व्यक्ति के साथ नाजायज संबंध जुडाने में मदद करने की बात कही थी जिसका ऑडियो भी पूर्व में सार्वजनिक रूप से वायरल हो चुका है। उक्त बुलेट गाड़ी वाला व्यक्ति अन्य महिला से पूरी तरह से अश्लील बातें करते हुए भी ऑडियो में सामने आया था। ऐसे में इस व्यक्ति के बारे में कहा जाता है कि, यह रोग्यादेवी मंदिर पर समिति का एक अग्रणी सदस्य था और धार्मिक आयोजन में अपनी भूमिका तन, मन और धन से पूरी सक्रियता से निभाता था लेकिन जब बुलेट गाड़ी वाले व्यक्ति का अश्लील बात करते हुए ऑडियो के साथ यह सार्वजनिक हुआ कि, यह व्यक्ति कितना बड़ा धुतारा है जो कि किसी परिवार से राखी डोरे के पावन संबंधों को तार-तार कर घर की एक नाबालिक लड़की के साथ अन्य व्यक्ति के साथ संबंध जुड़वाने का प्रयास करने की बात सामने आई थी। जिसके पश्चात स्वतः ही मां रोग्यादेवी के पावन स्थल समिति से निष्कासित होना पड़ा था। वही इसी व्यक्ति ने फर्जी रूप से आयुष्मान कार्ड बनाने की नियत के साथ अपने से अन्य समाज के परिवार जिनका मुखिया परिवार का समग्र आईडी के लिंक से आयुष्मान पोर्टल से जुडा हुआ था उस परिवार की समग्र आईडी में फर्जी रूप से ऑनलाईन अपने एवं अपने परिवार के सदस्यो का नाम जोडकर फर्जी रूप से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए उक्त कुकृत्य किया था। वो कौन व्यक्ति है जिसका आओ सब मिलकर पता लगाए।

एक और धुतारेपन का कारनामा रविवार 21 अप्रैल को सामने आया। आरटीओ संबंधित जानकारी रखने वाला उक्त व्यक्ति ने बांसवाड़ा (राज.) की चंदन ट्रेवल्स नाम की दो टूरिस्ट बसे बांसवाड़ा से बाजना, पाटन, खवासा होते हुए धार जिले में बारात लेकर जा रही थी कि, खवासा के बामनिया मार्ग पर उक्त बुलेट गाड़ी वाले धुतारे ने अपने आप को आरटीओ कर्मचारी प्रीतम मुणिया बताकर बस को रुकवाया। दोनों बसों के दस्तावेज चेक करने के साथ परमिट की हार्ड कॉपी भी चेक की। परमिट में रूट अलीराजपुर होकर धार की ओर जाना उल्लेख किया गया था। इस बात पर बस ड्राइवर से अपने आप को आरटीओ का सरकारी कर्मचारी बताते हुए रोप झाड़ते हुए 13-13 हजार रुपए की मांग करने लगा। जब ड्राइवर ने बस मालिक बांसवाड़ा निवासी को फोन लगाया और बताया कि, कोई आरटीओ विभाग अधिकारी प्रीतम मुणिया अपने आप को बता रहा है और त्रुटि सुधार वाला ऑनलाइन परमिट मोबाइल में बता रहा हूं तो वह नहीं देखते हुए 13-13 हजार रुपए की मांग कर रहा है। बस मालिक ने सीधे परिचित होने के चलते खवासा माही की गूंज कार्यालय में फोन लगाकर वास्तविक स्थिति बताकर ड्राइवर के नंबर दिए। जब प्रतिनिधि ने चंदन बस के ड्राइवर 8094242828 पर फोन कर जानकारी ली। तो प्रतिनिधि से बात करने के साथ ड्राइवर ने सीधे उस फर्जी अधिकारी से बात करवाई तो प्रतिनिधि से फोन पर बात करने पर थोड़ी आवाज बदलकर बात करते हुए अपने आप को आरटीओ कर्मचारी प्रीतमसिंह मुणिया निवासी बामनिया का होना बताया और रूट परिवर्तन का हवाला देकर 13-13 हजार रुपए दो बसों के कुल 26 हजार रुपए की पेनल्टी की बात करने लगा। बातों से इस प्रतिनिधि को भी फोन पर प्रथम दृष्टिया यही लगा कि वह हकीकत में आरटीओ कर्मचारी ही है। और वह आरटीओ मैडम की जानकारी में बात चली गई है कहकर उस प्रतिनिधि को कहने लगा कि, मैं भटेवरा जी आपको अच्छी तरह से पहचानता हूं आपका फोन आया है तो 4-4 हजार रुपए में यह काम कर देते हैं। जब प्रतिनिधि ने कहा कि, मैं मौके पर आ रहा हूं तो उक्त फर्जी अधिकारी ने कहा आप भटेवरा जी मौके पर मत आना आप आओगे तो अच्छा नहीं दिखता। लेकिन जब ड्राइवर ने पुनः फोन लगाकर प्रतिनिधि को कहा कि, आप मौके पर आओ तो जैसे ही वो बुलेटधारी व्यक्ति पुलिस जवान को लेकर आता हूं कहकर निकल गया और सामने से बस स्टैंड पर अपने आप को अनजान बताते हुए बुलेट धारी धुतारा व्यक्ति मिला और कहने लगा प्रीतम मुणिया ने बस रोक रखी है और 1-2 हजार में मामला निपटा देना कहकर प्रतिनिधि को सहानुभूति देने लगा।

मौके पर एक साथी के साथ प्रतिनिधि पहुंचा तो बस ड्राइवर व पैसेंजर ने बताया कि, झंडी लगी बुलेट पर एक लंबा सा व्यक्ति था और बस रोक कर 13-13 हजार रुपए की मांग कर बहुत ही हुज्जत की और जैसे ही मैंने आपको कहा कि, आप यहां आ जाओ तो वैसे ही वह अधिकारी, पुलिस चौकी पर जवान को ले कर आता हु कहकर गया। प्रतिनिधि को कुछ बात समझ नहीं आने पर खुद पुलिस चौकी पहुंचे और आरटीओ अधिकारी की जानकारी जानना चाही। तो चौकी स्टाफ ने कहा कि यहां तो कोई भी आरटीओ अधिकारी या कर्मचारी नहीं आये। पुनः चौकी से बस ड्राइवर के साथ प्रतिनिधि वहां पहुंचे तो एक-दो राहगीर जो कि क्षेत्र के थे ने बताया कि, बुलेटधारी व्यक्ति जो की बस रोक कर खड़ा था वह तो चूड़ी बेचने वाला खवासा निवासी ही था।

जब बुलेटधारी धुतारे को फोन कर पुनः मौके पर प्रतिनिधि ने बुलाया तो थांदला की ओर जा रहा हूं कहकर नहीं आया। प्रतिनिधि ने जब प्रीतम मुणिया से बात की तो उन्होंने बताया कि, मैने किसी बस को नहीं पकड़ा और ना ही मेरी आपसे बात हुई। बाद में बुलेट गाड़ी वाला धुतारा अपनी सफाई देने प्रतिनिधि के पास पहुंचा और कहा मैं नहीं था। तो प्रतिनिधि ने कहा तू नहीं था तो ठीक है बस रिटर्न में आ रही है तो आमने-सामने पहचान करवा लेते हैं। जिस पर बुलेटधारी फर्जी आरटीओ कर्मचारी बना धुतारा ने खुद अपना मोबाइल खोल परमिट की वह हार्ड कॉपी का फोटो बताया जिसमें अलीराजपुर रुट दर्शाया हुआ था।

जब कि त्रुटि सुधारकर ऑनलाइन टीपी परमिट बस मालिक बना चुका था। जैसे ही बुलेट धारी ने परमिट की कॉपी बताई जिस से ही यह स्पष्ट हो गया की बसों को आरटीओ कर्मचारी बन इसी फर्जी व्यक्ति ने रोक क्राइम किया है। जिसने दस्तावेज चेक करते समय अपने मोबाइल में उक्त परमिट का फोटो ले लिया और प्रतिनिधि को चतुराई से कहने लगा की बसों में परमिट के नाम से क्या-क्या कमी थी वह आरटीओ को बताकर 29 सौ रुपये का कमीशन भी कमा सकता हूं।

आओ हम सब पता लगाये कि वो बुलेटधारी ऐसा कौन व्यक्ति पैदा हो गया कि, आरटीओ कर्मचारी बन बसों को रोक क्राइम करने के साथ खवासा एवं क्षेत्र को कलंकित करने का प्रयास कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422